राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 13 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–318 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राम मंदिर के पुजारी को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर गुजरात कांग्रेस का नेता गिरफ्तार

अहमदाबाद । अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव जोरदार तैयारियां चल रही हैं और मंदिर के पुजारी के नाम की भी घोषणा कर दी गई है। राम मंदिर के पुजारी को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करना गुजरात कांग्रेस के एक नेता महंगा पड़ गया। कांग्रेस ने इस नेता ने पुजारी का अश्लील फोटो के साथ लिखा 'क्या ऐसे व्यक्ति को पुजारी बनाया जा रहा है' और वायरल कर दिया। इस मामले में साइबर क्राइम ब्रांच ने गुजरात कांग्रेस के नेता को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। कानून के शिकंजे में आए गुजरात कांग्रेस के नेता का नाम है हितेन्द्र पीठड़िया। गुजरात कांग्रेस में अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश प्रमुख हितेन्द्र पीठडिया ने सोमवार को अपने फेसबुक परएक पोस्ट की थी। जिसमें दो अलग अलग तस्वीरें थीं। इसमें महिला को पुजारी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया है। हितेन्द्र पीठड़िया की यह पोस्ट कुछ ही देर में काफी वायरल हो गई और सोशल मीडिया प्लेटफार्म गरमा गया। अहमदाबाद के एक नागरिक ने इस विवादित पोस्ट को लेकर साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत कर दी। जिसके आधार पर साइबर क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस नेता हितेन्द्र को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था। हितेन्द्र पीठड़िया के खिलाफ सबूत मिलने पर साइबर क्राइम ब्रांच ने आज उसे गिरफ्तार कर लिया। साइबर क्राइम की प्राथमिक जांच में पता चला कि जो तस्वीर हितेन्द्र पीठड़िया ने फेसबुक पर पोस्ट की थी उसे अन्य व्यक्ति ने भेजा था। जिसे देखने के बाद हितेन्द्र ने बगैर कोई जांच किए बगैर उसे फेसबुक पर पोस्ट कर दी। इतना ही नहीं फोटो के साथ लिखा 'क्या इसको अयोध्या राम मंदिर का पुजारी बना रहे हैं?' हितेन्द्र पीठड़िया को गिरफ्तार करने के बाद साइबर क्राइम ब्रांच ने तस्वीर भेजने वाले की भी जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला कि पोस्ट की गई तस्वीर किसी पोर्न साइट से ली गई और उसे एडिट करने के बाद वायरल किया गया। साइबर क्राइम ब्रांच ने फोटो को फेक बताते हुए लोगों से इसे वायरल या पोस्ट नहीं करने की अपील भी की है। अगर ऐसा कोई करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

ईवीएम को लेकर जनता के मन में शंका-अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि, देश में ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के तरीके और चुनने के माध्यम को चुनने का भी अधिकार होता है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, ''ईवीएम को लेकर जनता के मन में शंका होने से देश का लोकतंत्र कमज़ोर हो रहा है। बैलेट पेपर से चुनाव लोकतंत्र में विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए ज़रूरी है। तकनीकी के माध्यम से घपलों-घोटालों की ख़बर आम बात हो गयी है, तो फिर ईवीएम शक़ के घेरे से बाहर कैसे हो सकता है।'' इसके साथ सपा प्रमुख ने जनता के अधिकार की बता करते हुए कहा, ''देश में ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के तरीक़े और चुनने के माध्यम को चुनने का भी अधिकार होता है। इसी के आधार पर दुनिया के विकसित देशों ने ईवीएम के स्थान पर फिर से बैलेट पेपर यानी मतपत्र से चुनाव कराना शुरू कर दिया है। बैलेट पेपर निर्वाचन की सत्यता का पुख्ता सबूत होता है।''

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पास आया एक धमकी भर कॉल बेंगलुरु पुलिस की उड़ी नींद

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल का आवास एक गुमनाम कॉल के बाद अधिकारियों के रडार पर आ गया, जिसमें धमकी दी गई थी कि अंदर बम रखा हुआ है। हालाँकि, खोजबीन के बाद, पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि कॉल संभवतः एक धोखा थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नियंत्रण कक्ष में फोन आया और दावा किया गया कि बम किसी भी समय फट सकता है, जिससे अधिकारी सकते में आ गए। बेंगलुरु पुलिस विभाग को तुरंत संपर्क कर साइट पर भेजा गया। पुलिस ने राज्यपाल के आधिकारिक आवास की तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने पता लगाया है कि कॉल बीदर जिले से की गई थी, जो पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के साथ सीमा साझा करता है। हालांकि, अपराधी का पता लगाने की कोशिश हो रही है। बेंगलुरु के पश्चिम डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शेखर एच टेककन्नावर ने कहा कि एनआईए नियंत्रण कक्ष को आधी रात में एक गुमनाम कॉल मिली जिसके बाद बेंगलुरु पुलिस सतर्क हुई। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। हम मामले की जांच कर रहे हैं। अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत उस वक्त बेलगावी में थे और उन्हें कोई खतरा नहीं था। राजभवन के अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला कि कॉल बीदर से की गई थी। कॉल के बाद फोन बंद हो गया। पुलिस कॉल करने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शपथ ग्रहण आज

–प्रधानमंत्री मोदी समेत अनेक नेता होंगे शामिल

भोपाल/रायपुर। (एजेंसी)

मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय बुधवार 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। दोनों ही राज्यों में आयोजित होने वाले शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे7 दोनों ही राज्यों में शपथ ग्रहण की तैयारियां पूर्ण कर ली गईं। भाजपा ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक कर मुख्यमंत्री के नामों की घोषणा कर दी है। मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव विधायक दल के नेता चुने गए तो वहीं, आदिवासी चेहरे विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री चुना लिया गया है। खास बात यह है कि दोनों ही राज्यों में शपथग्रहण समारोह 13 दिसंबर को रखा गया है और इसमें स्वयं प्रधानमंत्री मोदी समेत गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा उपस्थित रहने वाले हैं।

पीएम मोदी की गरिमामय उपस्थित

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामय उपस्थिति चर्चा का विषय बनी है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी के साथ ही गृहमंत्री शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा समेत भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण में शिरकत कर सकते हैं। इसे लेकर दोनों ही राज्यों में भाजपा ने विशेष तैयारियां युद्ध स्तर पर की हैं।

शपथग्रहण का समय

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर 13 दिसंबर को डॉ मोहन यादव शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री के अलावा दो डिप्टी सीएम और कई मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। भव्य व ऐतिहासिक होने वाला यह शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11ः30 बजे राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। वहीं, छत्तीसगढ़ में शपथग्रहण समारोह का समय दोपहर दो बजे के लिए तय किया गया है। यहां मुख्यमंत्री के रूप में विष्णुदेव साय शपथ लेंगे। उनके साथ ही दो डिप्टी सीएम समेत 10 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं।

कांग्रेस नेता भी हैं आमंत्रित

छत्तीसगढ़ के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव और छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को भी निमंत्रण भेजा गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के शपथग्रहण समारोह में कांग्रेस के अनेक नेताओं को आमंत्रित करने की बात कही गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ समेत कई अन्य नेताओं को निमंत्रण भेजे जाने का समाचार है।

पीएम मोदी और शाह ने फिर चौंकाया....

भजन लाल शर्मा होंगे राजस्थान के नए सीएम

दीया कुमारी, प्रेम चंद बैरवा चुने गए डिप्टी सीएम

सांगानेर से पहली बार के विधायक

जयपुर । (एजेंसी)

पीएम मोदी और शाह की जोड़ी ने फिर चौंकाने वाला फैसला लेकर राजस्थान में पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बना दिया है। भाजपा की ओर से विधायक दल की बैठक के बाद उनके नाम का एलान किया है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व पार्टी के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में उनके नाम की घोषणा की गई।

सांगानेर से पहली बार के विधायक हैं सीएम शर्मा

भजनलाल शर्मा सांगानेर से विधायक हैं और पार्टी के महामंत्री हैं। विधायक दल की बैठक में भजनलाल को विधायक दल का नेता चुना गया। विधायकों ने उन्हें अपना नेता चुना। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से उन्हें चुना गया है। विधायक दल की मीटिंग से पहले नेता पर्यवेक्षकों से मिले थे। राजस्थान के नए सीएम शर्मा मूल रूप से भरतपुर के रहने वाले हैं। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। भाजपा ने उन्हें पहली बार जयपुर की सांगानेर से चुनाव लड़ाया था। पार्टी ने मौजूदा विधायक अशोक लाहोटी का टिकट काटकर भजनलाल को उम्मीदवार बनाया था। भजनलाल ने कांग्रेस के पुष्पेंद्र भारद्वाज को 48,081 वोटों से हराया था।

भजनलाल शर्मा के पास 1.40 करोड़ की संपत्ति और देनदारी 35 लाख रुपये है। विधानसभा चुनाव में दिए गए संपत्ति के ब्यौरे से संबंधित हलफनामे के मुताबिक, राजस्थान के नए सीएम शर्मा की नेटवर्थ में 115000 रुपये नगद है। बैंक खातों में करीब 11 लाख रुपये जमा है।

शाह ने संसद को बताया, तीन आपराधिक विधेयकों को वापस लिया गया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्र की मोदी सरकार ने भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और आपराधिक संहिता के स्थान पर लोकसभा में पेश किए गए तीन आपराधिक कानून सुधार विधेयकों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य विधेयक और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को वापस लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 11 दिसंबर को लोकसभा के सदस्यों को सूचित किया कि संसदीय समिति द्वारा अनुशंसित परिवर्तनों को शामिल करने के बाद तीन आपराधिक विधेयकों को वापस ले लिया जाएगा और तीन नए विधेयकों के साथ बदल दिया जाएगा। विधेयकों को लोकसभा के मानसून सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री शाह द्वारा पेश किया गया था और उन्हें गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति को भेजा गया था। पिछले महीने, समिति ने प्रस्तावित विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें विभिन्न बदलावों का सुझाव दिया गया। उदाहरण के लिए, समिति ने सिफारिश की कि व्यभिचार को अपराध मानने का प्रावधान जिसे 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। इसने गैर-सहमति वाले समलैंगिक कृत्यों को अपराध मानने के लिए आईपीसी की धारा 377 के समान प्रावधान को बनाए रखने की भी सिफारिश की। पैनल ने डिजिटल साक्ष्य को सुरक्षित करने के लिए नए सीआरपीसी बिल में प्रावधानों की भी सिफारिश की। इसमें गिरफ्तारी के 15 दिनों से अधिक की पुलिस हिरासत की अनुमति देने वाले प्रावधान को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गईं। इसने यह भी सुझाव दिया कि ऑनलाइन एफआईआर के तौर-तरीके राज्यों पर छोड़ दिए जाएं।

देश के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने नेहरु पर आ जाती हैं भाजपा : राहुल गांधी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे देश के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में बात करते रहते हैं। राहुल गांधी ने फिर जाति आधारित जनगणना की मांग कर मोदी सरकार पर इस पर चर्चा नहीं करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा, ये सब ध्यान भटकाने वाली रणनीति है। मूल मुद्दा जाति आधारित जनगणना है और लोगों का पैसा किसे मिल रहा है? वे इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, वे इससे दूर भागते हैं।

जब उन्हें बताया गया कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में एक ओबीसी नेता की घोषणा की है, तब उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में हमारा मुख्यमंत्री भी ओबीसी से था, अब उन्होंने भी ओबीसी मुख्यमंत्री की घोषणा की है। लेकिन सवाल यह है कि सरकारी व्यवस्था में कितने ओबीसी हैं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओबीसी वर्ग से हैं, लेकिन केंद्र सरकार को 90 लोग चला रहे हैं और उनमें से केवल तीन लोग ओबीसी वर्ग से हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरा सवाल संस्थागत व्यवस्था में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों की भागीदारी के बारे में है। वे हमें इस मुद्दे से भटकाने के लिए जवाहरलाल नेहरू और अन्य के बारे में बात करते हैं।

भारत के विकास में लाभकारी है 5 डी-राष्ट्रपति मुर्मू

लखनऊ । (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के पास 5 डी (डिमांड, डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डिजायर व ड्रीम) है, जो विकास की यात्रा में लाभकारी है। हमारी अर्थव्यवस्था एक दशक पहले 11वें पायदान पर थी। आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। यहां 55 फीसदी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम उमर की है। भारत प्रगतिशील व लोकतांत्रिक राष्ट्र हैं। हमारा सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। आप भी न केवल इस विजन के भागीदार बनें, बल्कि इसे पूरा करने के लिए सर्वस्व लगा दें। हमें प्रतिज्ञा करनी होगी जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरा कर रहा हो, तब आने वाली पीढ़ियां ऐसे भारत में जन्म लें, जो संपन्न-समृद्ध हो और जहां विकास समावेशित हो। उक्त बातें राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहीं। वे भारतीय सूचना प्रौद्यागिकी संस्थान (आईआईआईटी) लखनऊ के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। उन्होंने मेधावियों को डिग्री व मेडल प्रदान करते हुए पदक पाने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रपति ने 'विद्यां ददाति विनय, विनयाद् याति पात्रताम। पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम' श्लोक सुनाया और कहा कि विद्या विनय देती है और विनय से पात्रता आती है। पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है। उन्होंने आशा जताई कि संस्थान के आदर्श वाक्यों के अनुकूल आचरण करते हुए नैतिकता के साथ समाज व देश के सशक्त व समृद्ध भविष्य के लिए कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। ऑर्टिफिशयल इंटेलिजेंस मानव जीवन को आसान बनाने व उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साधन साबित हो रहा है। अपने व्यापक अनुप्रयोग के साथ एआई और मशीन लर्निंग जीवन के सभी पहलुओं को छू रहा है। हेल्थ केयर, एजूकेशन, एग्रीकल्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी, स्मार्ट मोबिलिटी व ट्रांसपोर्टेशन आदि क्षेत्रों में एआई और मशीन लर्निंग हमारी दक्षता व कार्यक्षमता में व्यापक स्तर पर सुधार के अनेक अवसर प्रस्तुत कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में एआई के लिए राष्ट्रीय रणनीति प्रकाशित की थी। यूपी सरकार ने भी प्रमुख शहरों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने के लिए योगदान प्रारंभ किया है। एआई व अन्य समकालीन तकनीकी विकास असीमित, अभूतपूर्व डवलपमेंटल एवं ट्रांसफरमेटिव संभावनाएं प्रदान करता है। आवश्यक है कि एआई प्रयोग के साथ उत्पन्न नैतिक दुविधाओं का निराकरण सबसे पहले हो। चाहे आटोमेशन के कारण उत्पन्न रोजगार की समस्या हो या आर्थिक असमानता की चौड़ी होती खाई या फिर एआई के परिणामों में आने वाले मानवीय पूर्वाग्रह, हमें हर समस्या के लिए रचनात्मक हल ढूंढना होगा। सुनिश्चित करना होगा कि एआई के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस को भी महत्व दें। एआई साध्य नहीं, बल्कि साधन है। जिसका उद्देश्य मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में हो। हमारे प्रत्येक निर्णय से सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी लाभान्वित हो।

राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईआईटी लखनऊ को संसद के अधिनियम द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपार्टेंस का दर्जा दिया गया है। यह योग्यता, सामर्थ्य व दक्षता का परिचायक है। देश और समाज आशा करता है कि आप शिक्षा के क्षेत्र में न केवल सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरेंगे, बल्कि उत्कृष्टता व सर्वश्रेष्ठता के ऐसे आयाम स्थापित करेंगे, जो स्वयं में मापदंड होंगे। इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व बिजनेस जैसे विषयों में आईआईआईटी द्वारा प्रदान की जाने वाले शिक्षा, शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षक व शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी विद्यार्थी शैक्षणिक जगत के शीर्षतम पायदान पर खड़े हैं।

संपादकीय

काली कमाई के अंबार

हाल के दिनों में उन खबरों ने आम आदमी को विचलित किया, जब एक कारोबारी राज्यसभा सांसद के यहां आयकर छापे में अरबों रुपये के नोटों का अंबार मिला। खबरें आई कि नोट गिनने वाली मशीनें नोट गिनते-गिनते थककर खराब हो गई। थैलों में नोट न आए तो बोरों में भरा गया। मीडियों में नोटों से भरी अलमारियां हैरान-परेशान करती रही हैं कि कोई कैसे इतनी अकूत संपत्ति जुटा लेता है। हमारी आर्थिक अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसियां क्यों तब खामोश थीं जब संसाधनों की लूट-खसोट जारी थी। सवाल यह भी कि कहीं ऐसे भ्रष्टाचार के मामलों का खुलासा चुनाव प्रक्रिया के आसपास राजनीतिक लाभ के लिये तो नहीं होता? यह भी कि यह खुलासा विपक्षी राजनेताओं व उनके करीबियों के बाबत ही क्यों होता है? क्या सत्तारूढ़ दल समर्थक कारोबारी राजनेताओं की संपन्नता पाक-साफ ही है? साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोग जब सत्ता की धारा में डुबकी लगा लेते हैं तो क्या वे पाक-साफ हो जाते हैं? बहरहाल, नोटों का अंबार ये तो बता देता है कि राजनीतिक संरक्षण में फल-फूल रहे कारोबारी राजनेता कितनी आसानी से कम समय में अकूत धन-संपदा जुटा लेते हैं? बताते हैं कि कांग्रेस के जरिये सांसद बनने वाले धीरज साहू ने 2018 में राज्यसभा का सदस्य बनने के हलफनामे में अपनी संपत्ति 34 करोड़ के करीब बतायी थी। तो आखिर कैसे महज पांच साल में संपत्ति तीन सौ करोड़ पार कर गई? बहरहाल, यह घटना बताती है कि कैसे देश की राजनीति दागियों की कमाई के लिये कामधेनु बन गई है। बताते हैं कि आरोपी राज्यसभा सांसद ने दो बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और हार गया था। फिर राज्यसभा के जरिये संसद पहुंचने की तिकड़में की। जाहिर है, धनबल भी उसका एक जरिया रहा होगा। ऐसा भी नहीं है कि भारी मात्रा में नकदी बरामदगी की यह पहली घटना हो। अतीत में सुखराम प्रकरण सुर्खियों में रहा। पश्चिम बंगाल में एक शिक्षामंत्री की सहयोगी महिला मित्र के यहां से पचास करोड़ की नकदी व अन्य संपत्ति बरामद हुई थी। कहा गया था कि ये राशि शिक्षा भर्ती घोटाले से जुटाई गई थी। अकसर चुनाव के दौरान चुनाव आयोग की सख्ती से कई राजनेताओं के यहां से करोड़ों रुपये की बरामदगी की खबरें आती रहती हैं। राजनेता ही नहीं, कई नौकरशाहों के यहां से भारी मात्रा में नकदी व अचल संपत्ति के कागज बरामद होने की भी खबरें सुनी जाती रही हैं। झारखंड में एक महिला आईएएस अधिकारी के यहां से सत्रह करोड़ की नकदी बरामदगी की खबर भी चर्चा में रही है। ये घटनाएं बताती हैं कि जिन राजनेताओं व नौकरशाहों पर सामाजिक न्याय व गरीबों के कल्याण की जवाबदेही थी, कैसे वे कदाचार का सहारा लेकर अपना घर भरने में लग जाते हैं। इन घटनाक्रमों से यह समझना भी कठिन नहीं है कि कैसे हमारे जनप्रतिनिधि चुने जाने के कुछ समय बाद ही करोड़ों में खेलने लगते हैं। यह भी कि हमारे लोकतंत्र में धनबल व भ्रष्टाचार कितने गहरे तक अपनी पैठ बना चुका है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

चुनावी हार के लिए उत्तर-दक्षिण सोच का बहाना

यह कहकर भूगोल बोध की भी ऐसी-तैसी कर डाली। मध्य प्रदेश, जैसा कि नाम ही बताता है, और छत्तीसगढ़ भी, उत्तर भारत का हिस्सा न होकर मध्य भारत हैं। छत्तीसगढ़ तो समूचा हिंदी भाषी भी नहीं है। फिर क्या हुआ? चाहिए केवल इतना भर कि कोई तो बहाना हो ताकि नेतृत्व में रही कमी का सख्त विश्लेषण होने से बचा जा सके। डीएमके, जिसका एकमात्र तरीका पहचान आधारित राजनीति करना है और इसके लिए ब्राह्मण-बैरी, हिंदी-विरोधी और उत्तर भारतीयों से दुराग्रह का चोला ओढ़ रखा, उसने उक्त विश्लेषण का स्तर कुछ और नीचे गिराते हुए कह डाला कि भाजपा तो केवल 'गोमूत्र राज्यों' में जीत सकती है।

राजेश रामचंद्रन

यूं तो इन दिनों टेलीविज़न पर आने वाली खबरें झेलना कष्टदायी है, लेकिन कोई-कोई वक्त ऐसा होता जब पेशेवराना मजबूरियों के चलते देखनी पड़ती हैं, विशेषकर चुनाव परिणामों के दिन, जैसा कि हाल ही में हुआ था। न्यूज़ एंकर, यहां तक कि उम्रदराज अनुभवी भी, किन्हीं विशेष किस्म के नतीजों पर फौरी विश्लेषण करने की बुरी आदत से उबर नहीं पाए, खासतौर पर जब यह उनकी पसंद के अनुरूप न हों। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधान सभाई चुनावों में कांग्रेस को मिली हार के पीछे कारणों को, तथ्यों की खोजबीन में अपनी ही सुविधा के अनुसार और सुस्ती की वजह से, उत्तर-दक्षिण भारतीय वोटरों की मानसिकता का प्रतिबिम्ब बताने लगे। इसको कांग्रेस के सुस्त नेताओं ने लपक लिया, जिन्हें अपने सुप्रीमो राहुल गांधी को हार के पीछे वजह बताने को यह बना-बनाया और आसान बहाना मिल गया यानि नेक, उदार और समावेशी राजनीतिक विकल्प के प्रति उत्तर भारतीयों में जन्मजात पूर्वाग्रही मानसिकता दोषी है। यह कहकर भूगोल बोध की भी ऐसी-तैसी कर डाली। मध्य प्रदेश, जैसा कि नाम ही बताता है, और छत्तीसगढ़ भी, उत्तर भारत का हिस्सा न होकर मध्य भारत हैं। छत्तीसगढ़ तो समूचा हिंदी भाषी भी नहीं है। फिर क्या हुआ? चाहिए केवल इतना भर कि कोई तो बहाना हो ताकि नेतृत्व में रही कमी का सख्त विश्लेषण होने से बचा जा सके। डीएमके, जिसका एकमात्र तरीका पहचान आधारित राजनीति करना है और इसके लिए ब्राह्मण-बैरी, हिंदी-विरोधी और उत्तर भारतीयों से दुराग्रह का चोला ओढ़ रखा, उसने उक्त विश्लेषण का स्तर कुछ और नीचे गिराते हुए कह डाला कि भाजपा तो केवल 'गोमूत्र राज्यों' में जीत सकती है। केरल के मार्क्सवादियों में भी भाजपा और आरएसएस को 'गाय गोबर संघी' कहने का चलन है। परंतु संसद में खड़े होकर अधिकांश भारत पर गोमूत्र का ठप्पा लगाने से घटियापन का स्तर और नीचे गया है। खासतौर पर जब दक्षिण भारत में आज भी आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धति में गोमूत्र का उपयोग जारी है। इसलिए, सवाल है : क्या वाकई भारतीय मतदाताओं की पसंद-नापसंद तय करने में उत्तर-दक्षिण के मुताबिक भेदभाव विद्यमान है? इसके जबाव की शुरुआत सुनी-सुनाई पर आधारित न होकर चुनावी परिणामों के ठोस विश्लेषण से करनी पड़ेगी। राजनीतिक जीत का सबूत सदा से संसदीय चुनाव में प्राप्त की गयी सीटों से रहा है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के नतीजे तो यही बताते हैं कि भाजपा दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी है – किसी भी अन्य राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल से बड़ी। डीएमके, जिसने दक्षिण भारतीयों का प्रवक्ता होने की भूमिका अपना रखी है, उसके लोकसभा में 24 सांसद हैं। साल 2019 के आम चुनाव में डीएमके ने भले ही एकतरफा झाड़ू फेरा हो, लेकिन अन्य किसी दक्षिण भारतीय सूबे में एक भी सीट नहीं है, यहां तक कि पड़ोस के तमिलभाषी पुड्डुचेरी में भी। वास्तव में, डीएमके सूबे में बहुलता वाली जाति का दल है और इसने जो द्रविड़वादी मुखौटा पहन रखा है वह एक सदी पहले ब्रिटिश हितैषी जस्टिस पार्टी ने थमाया था। इस पार्टी में द्रविड़वाद या समूचे दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व करने जैसा कुछ नहीं है। दक्षिण भारत में दूसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है वाईएसआर कांग्रेस। आंध्र प्रदेश की कुल 25 लोकसभा सीटों पर इसके 22 सांसद चुने गए। क्षेत्रीय दलों में तीसरे पायदान पर है, तेलंगाना राष्ट्र समिति (बाद में भारत राष्ट्र समिति)। उसके तेलंगाना की कुल 17 लोकसभा सीटों में 9 सांसद हैं। चार दक्षिण भारतीय राज्यों में कांग्रेस के कुल मिलाकर 28 सांसद हैं और एक सीट संघ प्रशासित प्रदेश में जीती है। इनमें भी, अकेले केरल से 15 सांसद हैं, जिसके पीछे मुख्यतः सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी के प्रति लोगों का रोष है। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन ने कांग्रेस को 8 सीटें दिलाई हैं वर्ना अपने बूते पर शायद एक भी न निकाल पाती (प्रदेश में इसके सबसे कद्दावर नेता की चुनाव में जमानत जब्त हुई थी)। तेलंगाना में कांग्रेस के 3 सांसद हैं तो कर्नाटक और पुड्डुचेरी में एक-एक। वहीं 2019 में कर्नाटक में भाजपा ने 25 लोकसभा सीटें जीती थीं, 4 सांसद तेलंगाना से हैं, कुल मिलाकर 29 अर्थात कांग्रेस से 1 अधिक। कांग्रेस, डीएमके और भाजपा की कारगुजारी में सबसे बड़ा अंतर यह है कि जहां कांग्रेस केवल गठबंधन के कारण कुछ सीटें निकाल पाई वहीं कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा और डीएमके ने चुनाव अपने दम पर लड़ा। ठीक से विचारे बिना यह विश्लेषण करना कि वहां एक खास विचारधारा का विरोध है या फिर हिंदुत्व के प्रति नफरत है, यह तथ्यों और प्राप्त सीटों की अनदेखी करना है। कांग्रेस को समूचे भारत में मिली कुल 51 संसदीय सीटों में 28 दक्षिण भारत से हैं, तब तो इसको 'उत्तर भारतीय के नेतृत्व वाला दक्षिण भारतीय दल' कहा जाए (मल्लिकार्जुन खड़गे तो महज गांधी परिवार द्वारा नामित हैं, जिनके पास स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति नहीं है)। वहीं भारतीय जनता पार्टी की देशभर में जीती 303 सीटों में 29 दक्षिण भारत से हैं। लेकिन हां, भाजपा में उत्तर भारतीयों का दबदबा है और उच्च पदों पर एक भी नेता दक्षिण भारत से नहीं है, यहां तक कि खड़गे सरीखा नाम लेने को भी। विगत में, प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एक ही राज्य से हुआ करते थे, जाहिर है यह राष्ट्र की विविधता का प्रतिबिंब नहीं था। वरिष्ठ मंत्रियों और पार्टी के उच्च पदेन नेताओं में अब केवल निर्मला सीतारमण दक्षिण भारत से एकमात्र चेहरा हैं, वैसे भी उनकी छवि तमिल लोगों का जमीनी प्रतिनिधित्व करने की बजाय दिल्ली वासी होने की अधिक है। जो भी है, भावनाएं सदा आंकड़ों से परे होती हैं। क्या संस्कृत-लोक और द्रविड़-लोक के बीच कोई कांटेदार बाड़ है? वर्णाक्षर किसी सभ्यता के रचक-खंड होते हैं। स्वर जैसे कि अ, आ, इ, ईज और वर्णमाला के व्यंजन (क, ख, ग, घज ण और च, ट, त, पज) संस्कृत और तमिल में एक समान हैं – अंतर इतना भर कि इन तथाकथित दो प्रतिकूल संस्कृतियों के बीच अक्षर परस्पर अबोध्य लिपी में लिखे जाते हैं, जो असल में एक ही हैं। उत्तर में सूर्य, चंद्रमा, जल है तो दक्षिण में सूर्यण, चंद्रण, नीर – लेकिन हैं एक जैसे। लोककथाएं एक हैं, भगवान भी एक हैं और मानसिकता में समाए जाति-पाति रूपी राक्षस भी एक जैसे हैं। यह सही है कि गिनती करने वाले अंकों के नामों में काफी फर्क है, उत्तर का एकम, द्वयम, तृयम दक्षिण में ओण्णु, रण्डु, मोण्णु है – अन्य अनेकानेक शब्द और स्वरों में भी अंतर है जैसे कि कोझीकोडे या तमिझ में झः को अन्य जगह झ कहा जाता है। तथापि एक मलयाली बंदा कन्नड़ या तेलुगू की अपेक्षा हिंदी को अधिक समझ सकता है, और यह बात उक्त भाषियों पर लागू है, इसके लिए धन्यवाद है महात्मा गांधी की दक्षिण भारत हिंदी प्रचारिणी सभा को, और बेशक आगे चलकर पूरा श्रेय जाता है हिंदी फिल्मों को। राजनीतिक, सामाजिक या सांस्कृतिक तौर पर ऐसा कुछ नहीं है जो समूचे दक्षिण भारत को एक साथ बांध सके। यहां तक कि औपनिवेशिक शासकों द्वारा तमिल पृथकतावाद को हवा देने की योजना असफल रही। कांग्रेस को जरूरत है एक मजबूत नेतृत्व और विश्लेषकों की, न कि चुनावी हार के लिए छद्म-राजनीतिक बहाने गढ़ने वालों की, वह भी तब जबकि प्राप्त वोटों का हिस्सा पिछले चुनाव जितना बरकरार है। हार का ठीकरा उत्तर भारतीयों की मानसिकता पर फोड़ने वाली दलीलें भले ही राहुल गांधी को सांत्वना दें, जिन्हें खुद अमेठी के मतदाताओं के बजाय वायनाड़ वालों ने अपनाया है। लेकिन ऐसे लोगों और बातों से पार्टी का कुछ भला नहीं होने वाला, इसकी बजाय उत्तर भारत में चुनावी विजय के लिए नूतन रणनीति की जरूरत है।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

राष्ट्रवाद, विकास और आरक्षण का चुनावी दांव

प्रदीप मिश्र

उत्तर भारत के तीन राज्यों में चुनाव जीतने से उत्साहित भाजपा केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में अगले वर्ष लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई लगती है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक पारित करवा कर पूर्ववर्ती राज्य में पांच अगस्त, 2019 के बाद हुए बदलाव और विकास को बहस का मुद्दा बना दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अधिकारों से वंचित पिछड़ों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों, कश्मीरी पंडितों और पीओजेके शरणार्थियों को आरक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की प्रभावी पहल कर दी। अनुच्छेद 370 इसमें बाधा थी। इसी कारण यहां मंडल आयोग की सिफारिशों के मुताबिक ओबीसी को तीन दशक बाद भी आरक्षण नहीं दिया जा सका। आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी, पर्यटकों की संख्या दो करोड़ से ज्यादा होने और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित इस्तेमाल के लिए निवेश बढ़ने के आंकड़ों के बहाने उन्होंने 2024 पर निगाह का स्पष्ट संकेत दे दिया। यही वजह है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से लेकर केंद्र सरकार के नुमाइंदे दावा करने लगे हैं कि 2026 तक आतंकवाद का खात्मा जड़ से कर दिया जाएगा। निःसंदेह, जम्मू-कश्मीर में काफी कुछ बदला है। उद्योगों के लिए 56 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव हैं। कुल 26 हजार करोड़ के काम शुरू हो चुके हैं। दो साल में 350 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। श्रीनगर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद एक मल्टीप्लेक्स और चार सिनेमाहॉल खुल चुके हैं। दुबई का इमर समूह श्रीनगर में 500 करोड़ रुपये से मॉल बना रहा है। जी-20 के आयोजन से जम्मू-कश्मीर को नई अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। श्रीनगर में 35 साल बाद पहली बार दशहरे पर शोभायात्रा निकाली गई तो शिया समुदाय 33 साल बाद मोहर्रम पर जुलूस निकाल सका। सीमावर्ती इलाकों में दिवाली मनाई गई। यही कारण है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद सेना पर ज्यादतियों का आरोप लगाने के बाद चर्चा में आई जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला राशिद को अब यहां अमन-चैन लगने लगा है। एक तरह से वह सियासी फायदा उठाने के लिए जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा की अघोषित ब्रांड एंबेसडर बन रही हैं। दूसरी ओर भाजपा के लिए राम मंदिर, समान नागरिक संहिता और अनुच्छेद 370 की ही तरह पाकिस्तान के कब्जे से पीओजेके वापस लेना राष्ट्रवाद का अहम मुद्दा है। संसद के दोनों सदनों में 22 फरवरी, 1994 को पीओके वापसी का सर्वसम्मत संकल्प लिया गया था। उस समय कांग्रेस के पीवी नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे। केंद्र ने अनुसूचित जातियों को नौ और अनुसूचित जनजातियों को सात सीटों के लिए राजनीतिक आरक्षण देकर सामाजिक न्याय देने की अवधारणा की ओर एक कदम बढ़ाया है। अनुसूचित जातियों को तो पहली बार आरक्षण दिया गया है। पहाड़ी समुदाय की कई जातियों को अनुसूचित जनजाति का हिस्सा बनाया गया है। इन समूहों को नौकरियों में तो आरक्षण मिलता था लेकिन राजनीतिक आरक्षण से वंचित रखा गया था। इसके लिए जुलाई में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची का विस्तार किया गया था। इसी तरह ओबीसी आरक्षण की बाधाओं को दूर करने के लिए अनुच्छेद 370 हटने के बाद 2004 के राज्य सरकार के आरक्षण अधिनियम में बदलाव किया गया था। आयोग बनाकर इसका आकलन किया गया। माना जा रहा है कि यहां की 40 फीसदी आबादी पिछड़ा वर्ग के दायरे में है। कश्मीरी पंडितों के लिए दो और पीओजेके के प्रतिनिधित्व के लिए एक सीट मनोनयन कोटे में आरक्षित की गई है। कश्मीरी पंडितों में एक महिला की नियुक्ति अनिवार्य होगी। कश्मीरी पंडितों के रूप में जम्मू-कश्मीर में 46,631 परिवार हैं। इनसे जुड़े 1,58,976 लोग बतौर परिजन पंजीकृत हैं। इसी तरह कश्मीरी विस्थापितों की संख्या 41,884 है। गौरतलब है कि 2018 के पंचायत चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशियों के तौर पर महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया था। भाजपा जानती है कि 370 हटाए जाने के बाद राजकाज, कारोबार, नौकरियों और जमीन-जायदाद की खरीद में देश के अन्य राज्य के लोगों का दखल बढ़ने से जम्मू की जनता में ही जद्दोजहद नहीं है, कश्मीरी अवाम भी कशमकश में है। राष्ट्रीय मुद्दों आतंकवाद-अलगाववाद से सुरक्षा, स्थिर सरकार, सुशासन के प्रभाव में स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। ऐसे में पार्टी राष्ट्रवाद, विकास कार्य, निवेश और आरक्षण को मुद्दा बनाकर पहली बार अपने बल पर सरकार बनाने का इनाम चाहती है। विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पीपुल्स पार्टी, अपनी पार्टी, पीपुल्स कान्फ्रेंस आदि परोक्ष रूप से उसके मददगार होंगे। नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस 'इंडिया' के बैनर तले एक साथ लड़ने का दमखम ठोकेंगे। वैसे यह जानना जरूरी है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के जुलाई-सितंबर, 2023 के आंकड़े बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर के शहरी इलाकों में 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी की दर 29.8 प्रतिशत रही है, जो देश में तीसरे स्थान पर है।माना जा रहा है कि अनुच्छेद 370 और 35ए खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 दिसंबर को सुप्रीमकोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ फैसला सुना देगी। पीठ ने पांच सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसले के बाद भाजपा की चुनावी तैयारी जहां तेज हो जाएगी, वहीं चुनाव आयोग भी प्रक्रिया शुरू कर सकता है। चुनाव आयोग के लिए लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव कराना सुविधाजनक होगा, वहीं प्रशासन के लिए भी यह सुरक्षा और खर्च के हिसाब से किफायती होगा। चुनाव आयोग इस चुनाव के बाद एक देश एक चुनाव की पहल को भी आगे बढ़ा सकता है।

विचार मंथन

2000 वर्ष पुरानी दास प्रथा की ओर बढ़ते कदम

(लेखक-सनत कुमार जैन)

हजारों साल पहले सारी दुनिया में दास प्रथा प्रचलित थी। जिसमें पुरुष और महिलाओं को दास बना कर रखा जाता था। पशुओं की तरह इनकी खरीद और बिक्री होती थी। जो एक बार दास बन जाता था, वह मृत्यु पर्यंत तक दास ही बना रहता था। इटली के पोम्पई शहर के पास खुदाई में पुरातत्व वेदों को एक जेल नुमा बेकरी मिली है। खंडहरों के नीचे एक तंग कमरा मिला है। जहां से बॉहरी दुनिया को नहीं देखा जा सकता है। दीवारों पर जेल की तरह ऊंची और छोटी खिड़कियां थी। जिसमें लोहे की सलाखें लगी हैं. खोजकर्ताओं का कहना है कि यहां गुलाम को आंखों पर पट्टियां बांधकर अनाज पीसने के लिए रखा जाता था। बड़ी चक्कियों के पॉटों को चलाने के लिए पशुओं को रखे जाने की भी व्यवस्था थी। बेकरी के एक कमरे में तीन कंकाल भी मिले हैं। 2000 वर्ष पहले माउंट वेसुविमस में विस्फोट से पोम्पई शहर तबाह हो गया था। उस समय किस तरह की क्रूर दास प्रथा प्रचलित थी इसकी कल्पना की जा सकती है। भेड़ चाल,दास प्रथा और पालतू पशुओं मैं कोई अंतर नहीं है। भेड़ का जन्म रेड़ में होता है। वह अपने जन्म के साथ ही गडरिया को अपने पालक के रूप में देखती है। पशु जंगल में भी पैदा होते हैं, और पालतू पशु के रूप में भी पैदा होते हैं। जंगल का पशु स्वतंत्र होता है। उसे पालतू बनाने के लिए कई तरह के प्रयास करने होते हैं। लेकिन जो एक बार पशु पालतू हो जाए, पीढ़ी दर पीढ़ी वह पालतू पशु ही रहता है। वही हालत दास प्रथा में दासों की होती थी। पीढ़ी दर पीढ़ी वह दास के रूप में ही खरीदे और बेचे जाते थे। उनका जीवन भी एक पालतू पशु की तरह व्यतीत हो जाता था। यह मंथन इसलिए लिखने का मन हुआ, कि भौतिक सुख सुविधाओं और बिना कुछ कियें, सब कुछ मिल जाए। इस प्रवृत्ति ने भारत में भी अब मानवों को पालतू मानव (दास) के रूप में परिवर्तित करना शुरू कर दिया है। जन्म से लेकर मृत्यु तक के सारे खर्चे सरकारें उठाने का वादा कर रही है। 80 करोड लोगों को फ्री में सरकार अनाज बांट रही है। सरकार इस बात की गारंटी दे रही है, कि हमें वोट दो, बदले में वह सब चीजें हम देंगे, जो तुम्हारी जरूरत की हैं। तभी तो सरकार ने नमक और तेल पर भी वोट मांग लिया। यह भारत का सच है। कहा जाता है, कि मनुष्य जन्म बहुत मुश्किल से मिलता है। मनुष्य के रूप में हमें कर्म करने, सोचने की, जो शक्ति प्राप्त होती है। वह अन्य योनियों में प्राप्त नहीं होती है। मनुष्य जीवन पाकर भी हम एक तरह से पालतू (पशु) दास प्रथा की ओर बढ़ रहे हैं। जब सब कुछ हमारी पालक सरकार ही कर रही है। तब हमें कुछ करने की जरूरत भी नहीं है। सरकार भी चाहती, कि आप कुछ मत करें बस गुलाम बन कर रहें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में 5 साल में एक बार वोट दें, बदले में जिंदा रखने की जिम्मेदारी सरकार, पालक के रूप में ले लेती है। ऐसी स्थिति में धीरे-धीरे हम पालतू मनुष्यों का निर्माण कर रहे हैं। जो सरकार के इशारे पर बिना किसी प्रतिरोध के काम करते हैं। इसके लिए सरकारों से ज्यादा आम आदमी भी जिम्मेदार है। जो अपनी स्वतंत्रता के स्थान पर गुलामी को चुन रहा होता है। धीरे-धीरे वह कब गुलाम बन जाता है, उसे पता ही नहीं लगता है। जिस तरह जंगल में सारे पशु स्वतंत्र तरीके से जन्म से मृत्यु तक के सारे कार्य स्वयं की क्षमता और विवेक से करते हैं। मानव जीवन में हम सरकारों के ऊपर निर्भर होने की बात करते हैं। जब हम दूसरे के ऊपर निर्भर रहना शुरू कर देते हैं। उसके बाद ही हम उस व्यवस्था के गुलाम होना शुरू हो जाते हैं।

2000 वर्ष पुरानी दास प्रथा मैं किस तरह का शोषण होता था। यह जानकार एक बार ऐसा लगा, क्या हम फिर से दास प्रथा की ओर बढ़ रहे हैं? जहां पेट भरने के लिए अनाज,चावल, दाल, नमक इत्यादि इत्यादि के लिए हमें सरकारों पर निर्भर होना पड़ रहा है। स्वयं की आत्मनिर्भरता और आत्म सम्मान दोनों ही खोते जा रहे हैं। पिछले 75 साल में स्वतंत्रता से जीने का जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में मौका मिला था। उसमें हम अपने अधिकारों का तो ध्यान रख रहे हैं। लेकिन अपने कर्तव्यों को भूल रहे हैं। मनुष्य जीवन की नैतिकता को छोड़कर हम अनैतिकता की ओर बढ़ते चले जा रहे हैं।

जिसके कारण नई-नई समस्याएं सामने आ रही हैं। जो हमें गुलाम बना रही हैं। आम आदमी के साथ-साथ सरकार की भी जिम्मेदारी बनती है, कि वह एक अच्छे पालक की तरह लोगों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास के साथ जीना सिखाए। ना की गुलामी और भौतिक सुखों की दास बनने की विवशता हो।

सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी

- सोना 61,300 रुपए और चांदी 72,200 रुपए

नई दिल्ली । इस सप्ताह पहले दिन गिरावट के बाद दूसरे दिन मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी गई है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव तेजी के साथ 61,300 रुपये और चांदी के वायदा भाव 72,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 119 रुपये की तेजी के साथ 61,236 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 194 रुपये की तेजी के साथ 61,311 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव भी तेजी के साथ खुले। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 217 रुपये की तेजी के साथ 72,081 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 321 रुपये की तेजी के साथ 72,185 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 1,997.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,993.70 डॉलर था। फिलहाल यह 7.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,001.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.12 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.05 डॉलर था। फिलहाल यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 23.21 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई घोटाले में स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड के सीईओ बर्खास्त, मनोज भार्गव नए अंतरिम प्रमुख

सैन फ्रांसिस्को। स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड के प्रकाशक ने पत्रिका के सीईओ रॉस लेविनसोहन को बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि पत्रिका ने गैर-मौजूद लेखकों और एआई-जनरेटेड प्रोफ़ाइल चित्रों के साथ लेख प्रकाशित किए थे। द एरेना ग्रुप के निदेशक मंडल ने सोमवार देर रात लेविनसोहन के बर्खास्त कर दिया और मनोज भार्गव को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नामित किया। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह पिछले सप्ताह की कार्रवाई के बाद हुआ है, इसमें कंपनी ने परिचालन अध्यक्ष और सीओओ एंड्रयू क्राफ्ट, मीडिया अध्यक्ष रॉब बैरेट और कॉर्पोरेट वकील जूली फेनस्टर के रोजगार को समाप्त कर दिया था। फ्यूचरिज्म की रिपोर्ट के अनुसार, एआई घोटाले ने मीडिया कवरेज की कड़ी आलोचना की और पत्रिका के कर्मचारियों ने नाराजगी जताई। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ग्रैडी ट्रिप ने कर्मचारियों को एक ईमेल में लिखा, तत्काल प्रभाव से, रॉस लेविनसोहन कंपनी और सीईओ के रूप में अपनी भूमिका छोड़ देंगे। यह पिछले सप्ताह तीन वरिष्ठ अधिकारियों के प्रस्थान के बाद हुआ है। भार्गव एनर्जी ड्रिंक ब्रांड 5-आवर एनर्जी के संस्थापक और द एरेना ग्रुप के बहुसंख्यक निवेशक हैं। एरेना ग्रुप के पास स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड, द स्ट्रीट, परेड, मेन्स जर्नल और हबपेजेज जैसे ब्रांड हैं। कंपनी 265 से अधिक ब्रांडों के विविध पोर्टफोलियो में सामग्री एकत्र करती है, जो मासिक रूप से 100 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं तक पहुंचती है।

इंफोसिस के नए सीएफओ होंगे जयेश

मुंबई । आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने नए सीएफओ के नाम की भी घोषणा कर दी है। एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार जयेश संघराजका 1 अप्रैल, 2024 से इंफोसिस के नए सीएफओ होंगे। हालांकि, नए सीएफओ के नाम की घोषणा के बाद भी कंपनी के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में नीलांजन रॉय के इस्तीफे की घोषणा के एक दिन बाद मंगलवार, 12 दिसंबर को शुरुआती कारोबार में इंफोसिस के शेयर की कीमत में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इंफोसिस का शेयर प्राइस 1,488.60 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 1,475 रुपये पर खुला और व्यापार के पहले 10 मिनट के अंदर 1.4 प्रतिशत गिरकर 1,468.50 रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक निलंजन रॉय 31 मार्च 2024 तक कंपनी के सीएफओ पद पर बने रहेंगे। वहीं जयेश संघराजका 1 अप्रैल, 2024 से इंफो सिस के नए सीएफओ के पद को संभालेंगे। कंपनी के सीईओ और एमडी सलिल पारेख ने कहा कि रॉय 2018 से इंफोसिस के सीएफओ थे।

इस सप्ताह बाजार में आएंगे पांच कंपनियों के आईपीओ

मुंबई ।

इस सप्ताह इंडिया शेल्टर फाइनेंस और डोम्स इंडस्ट्रीज से हित कुल पांच कंपनियां अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएंगी। जिन तीन अन्य कंपनियों के आईपीओ इस सप्ताह खुलेंगे उनमें आईनॉक्स ग्रुप की इकाई आईनॉक्स इंडिया, जयपुर की खुदरा आभूषण कंपनी मोतीसंस ज्वेलर्स और मुंबई की सूरज एस्टेट डेवलपर्स हैं। संयुक्त रूप से इन कंपनियों के आईपीओ से कुल 4,200 करोड़ रुपए की राशि जुटाई जा सकेगी। पिछले महीने 10 कंपनियों का आईपीओ सफलतापूर्वक पूरे हुए हैं। पिछले महीने आईपीओ लाने वाली कंपनियों में टाटा टेक्नोलॉजीज भी थी। यह लगभग दो दशक में टाटा समूह की ओर से आईपीओ लाने वाली पहली कंपनी थी। इससे पहले 2004 में समूह की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का आईपीओ आया था। भारतीय आईपीओ बाजार में चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक 44 से ज्यादा निर्गम लाए गए हैं, जिनके माध्यम से लगभग 35,000 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। बाजार के जानकारों ने आईपीओ बाजार में पिछले कुछ सप्ताह में बढ़तीं गतिविधियों के लिए कई कारकों को वजह बताया। इनके अलावा केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में जीत से निवेशकों की धारणा सकारात्मक हुई है। किफायती आवास वित्त कंपनी इंडिया शेल्टर फाइनेंस और पेंसिल निर्माता डोम्स इंडस्ट्रीज के आईपीओ 13 से 15 दिसंबर तक निवेशकों के लिए खुलेंगे। दोनों कंपनियों ने 1,200-1,200 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है।

आईनॉक्स इंडिया का आईपीओ 14 दिसंबर से खुलकर 18 दिसंबर को बंद होगा। इसके अलावा, मोतीसंस ज्वेलर्स और सूरज एस्टेट डेवलपर्स के आईपीओ 18 दिसंबर को खुलकर 20 दिसंबर को बंद होंगे। इंडिया शेल्टर फाइनेंस के आईपीओ में 800 करोड़ रुपए के नए शेयर और 400 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायर 469-493 रुपए प्रति शेयर तय किया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.36 प्रति डॉलर

नई दिल्ली ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की बढ़त के साथ 83.36 पर पहुंच गया। विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह और घरेलू शेयर बाजार में तेजी से भारतीय मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.58 पर कारोबार कर रहा था।

एलन ने एप्पल मार्ककॉम के पूर्व एग्जीक्यूटिव अपूर्व शर्मा को सीएमओ किया नियुक्त

नई दिल्ली।

एलन करियर इंस्टीट्यूट ने मंगलवार को एप्पल मार्ककॉम के पूर्व एग्जीक्यूटिव अपूर्व शर्मा को अपना मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) नियुक्त करने की घोषणा की।एप्पल में, अपूर्व शर्मा एप्पल के आइकोनिक डिवाइस, वेयरएबल्स और सर्विस के लिए ब्रांड बिल्डिंग, क्रिएटिव सॉल्यूशन और प्रोडक्ट मार्केटिंग के लिए जिम्मेदार थे। वह एलन के ब्रांड-बिल्डिंग, मार्केटिंग और पीआर प्रयासों को लीड करेंगे। शर्मा ने एक बयान में कहा, जैसा कि हम वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन कंपनी बनाने की आकांक्षा रखते हैं, यह ऐसी प्रतिबद्धताओं के निर्माण के बारे में होगा जो न केवल सूचित करेगी बल्कि स्टूडेंट कम्युनिटी को एक उज्जवल भविष्य की कल्पना और प्राप्त करने के लिए प्रेरित और सशक्त भी बनाएगी। शर्मा के पास प्रोडक्ट मार्केटिंग, डिजिटल स्ट्रेटजी, क्रिएटिव कम्युनिकेशन, पार्टनरशिप और बिजनेस डेवलपमेंट में भूमिकाओं के साथ इंटरनेशनल जियोग्राफिक्स क्षेत्रों में बी2बी और बी2सी डोमेन में फैले 18 लावों से ज्यादा का एक्सपीरियंस है। वह पहले अमेजन, फ्लिपकार्ट और डीएक्ससी टेक्नोलॉजी जैसी टेक्नोलॉजी-फर्स्ट कंपनियों से जुड़े थे। एलन करियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा, एलन ने तीन दशकों से ज्यादा की अपनी यात्रा में छात्रों और अभिभावकों के साथ जबरदस्त ब्रांड इक्विटी अर्जित की है। मेरा मानना है कि अपूर्व का अनुभव एलन को एक ऐसे शिक्षा ब्रांड में बदलने में मदद करेगा जो एलन के लंबे समय से चले आ रहे लोकाचार और उसकी नई डिजिटल पहचान को जोड़ता है। शर्मा के पास आईएमटी गाजियाबाद और फ्रांस स्थित आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से दोहरी एमबीए और कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक की डिग्री है।

मंगलवार को लाल निशाना पर बंद हुआ बाजार...सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

मुंबई ।

शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सत्र के दूसरे भाग में बिकवाली के दबाव में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। इस बीच ग्लोबल मार्केट में सकारात्मक रुझान देखने में मिले। मंगलवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 377 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 91 अंक की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.4 फीसदी और 0.27 फीसदी नीचे आ गए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 377.50 अंक की गिरावट के साथ 69,551.03 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में मंगलवार को 69,443.85 और 70,033.64 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 90.70 अंक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,906.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 20,867.15 और 21,037.90 के रेंज में कारोबार हुआ।

मंगलवार के कारोबार में बीपीसीएल, अपोलो अस्पताल, मारुति सुजुकी, सनफार्मा और एस्सार टैक्सर्स निफ्टी के टॉप लूजर रहे। वहीं एचडीएफसी लाइफ, अल्ट्राटेंक सीमेंट, बजाज ऑटो, एसबीआई लाइफ इंस्योरेंस और एक्सिस बैंक टॉप गेनर रहे।

अगले वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत होगी

भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक चुनौतियों के कारण घटकर 6.5 फीसदी पर आ जाएगी। एक निजी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने यह अनुमान लगाया। मुख्य अर्थशास्त्री ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि के जोखिम के साथ 7 फीसदी की वृद्धि का अनुमान लगाया। आरबीआई ने पिछले शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए अपना वृद्धि दर अनुमान 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है।

किआ सॉनेट फेसलिफ्ट जल्द होगी लांच

-6 एयरबग और अडास से लैस

नई दिल्ली ।

भारतीय कार बाजार में किआ सॉनेट फेसलिफ्ट जल्द लॉन्च होने जा रही है। किआ डीलरशिप में नई सॉनेट की बुकिंग शुरू हो चुकी है।नई सॉनेट एसयूवी को डीलरशिप पर 25 हजार रुपये की टोकन राशि देकर बुक कराया जा सकता है। कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि ऐसे ग्राहकों जिन्होंने सॉनेट की बुकिंग पहले करवाई है उन्हें नए मॉडल की डिलीवरी की जाएगी। जानकारी के अनुसार, नई किआ सॉनेट नए फ्रंट और रियर बंपर और हेडलाइट सेटअप के साथ आएगी। इसके अलावा कार में नए डिजाइन का टेल लाइट सेटअप भी दिया गया है। कार के बूट डोर में कनेक्टेड लाइट स्ट्रिप भी इसके लुक में चार चांद लगाएगा।

2024 किआ सॉनेट फेसलिफ्ट का इंटीरियर भी पूरी तरह नए डिजाइन में दिखेगा। इसमें नए लेआउट वाले बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, ऑटो डिमिंग आईआरवीएम, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, नया बोस साउंड सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एम्बिएंट लाइटिंग और कई तरह के नए फीचर्स मिलेंगे। किआ सॉनेट

फेसलिफ्ट में सबसे बड़ा अपडेट अडास लेवल-1 सेफ्टी सूट होगा। पैसेंजर सेफ्टी के नजरिये से इस कार में स्टैंडर्ड 6 एयरबैग, हेड्स-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, एबीएस, ईएससी और कई नए सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। किआ सॉनेट फेसलिफ्ट में मौजूदा जनरेशन के 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल, 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन को जारी रखा जाएगा। ट्रांसमिशन विकल्प में 5-स्पीड मैनुअल, 6 स्पीड मैनुअल, 6 स्पीड ढूरल्ज और 7 स्पीड ष्ठस्त्त गियरबॉक्स दिया जाएगा। बता दें कि सॉनेट फेसलिफ्ट को भारत में 15 दिसंबर को लॉन्च किया जाएगा। किआ सॉनेट फेसलिफ्ट में अंदर और बाहर कई डिजाइन और कॉस्मेटिक अपडेट देखने को मिलेंगे।

पटना में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 600 निवेशकों के शामिल होने की संभावना

पटना।

बिहार की राजधानी पटना में 13 और 14 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (बिहार बिजनेस कनेक्ट) में देश और दुनिया के 600 उद्यमी और निवेशक शामिल होंगे, जिसमे 31 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों का करार होने की संभावना है। उद्योग विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बिहार में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन नीतियां बनाने के साथ साथ आवश्यक आधारभूत संरचना का भी विकास किया गया है। बताया जाता है कि समिट के दौरान 500 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली 12 कंपनियों से अलग अलग करार होगा। 14 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में यह करार होगा। इसमें सबसे अधिक करार फूड प्रोसेसिंग में होना है। अधिकारी ने बताया कि भारत के अलावा अन्य 15 देशों के 600 से अधिक निवेशक दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। राज्य के उद्योग विभाग द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर बहस, औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा और बैठकें शामिल होंगी।

टेस्ला ने फिर दी मालिकों को धमकी, एक साल के अंदर साइबरट्रक बेचने पर करना होगा 50,000 डॉलर का भुगतान

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला ने एक बार फिर अपने नए लॉन्च किए गए साइबरट्रक के मालिकों पर स्वामित्व के पहले वर्ष के भीतर वाहन बेचने की कोशिश करने पर 50,000 डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी है। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला ने अपने साइबरट्रक परचेस कॉन्ट्रैक्ट में एक क्लॉज को फिर से जोड़ा, जिसमें उन मालिकों पर मुकदमा करने की धमकी दी गई है जो खरीदारी के पहले वर्ष के भीतर साइबरट्रक बेचने की कोशिश करेंगे। यह क्लॉज, जिसे पहली बार नवंबर में पेश किया गया था और बाद में दोबारा जोड़े जाने से पहले वापस ले लिया गया था, कहता है कि साइबरट्रक खरीदारों को टेस्ला की अनुमति के बिना अपने स्वामित्व के पहले वर्ष के दौरान वाहन नहीं बेचने के लिए सहमत होना होगा। ऑटोमेकर वाहन के स्वामित्व के ट्रांसफर को रोकने के लिए निषेधाज्ञा राहत की मांग कर सकता है या आपसे 50,000 डॉलर की राशि या बिक्री या हस्तांतरण के लिए प्रतिफल के रूप में प्राप्त मूल्य, जो भी अधिक हो, की क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। टेस्ला ने लगभग दो सप्ताह पहले अपने पहले कुछ साइबरट्रक वितरित किए। ऑस्टिन, टेक्सास में कंपनी के मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में, मस्क ने लगभग एक दर्जन लोगों को ट्रक वितरित किया और भविष्यवाणी की कि यह एक नए, अधिक रोमांचक युग की शुरुआत करेगा।

इलेक्ट्रिक ट्रक के रियर-व्हील ड्राइव वर्जन की कीमत 60,990 डॉलर होगी, जो 2019 में 39,900 डॉलर थी। एक बार चार्ज करने पर इसकी रेंज 250 मील होगी। हालांकि, मॉडल 2025 तक उपलब्ध नहीं होगा। टेस्ला के ऑर्डर पेज के अनुसार, डुअल-मोटर और ट्राई-मोटर साइबरबीस्ट वर्जन 2024 में जल्द ही उपलब्ध होंगे और अधिक शक्तिशाली होंगे।

एडब्ल्यूडी साइबरट्रक की कीमत 79,990 डॉलर होगी, इसकी रेंज 340 मील होगी, यह 4.1 सेकंड में 0-60 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेगा और इसकी टॉप स्पीड 112 मील प्रति घंटे होगी। ट्राई-मोटर ट्रिम की कीमत 99,990 डॉलर होगी, यह 845 हॉर्सपावर, 10,296 एलबी-फीट टॉर्क पैदा करेगा और इसकी रेंज लगभग 320 मील होगी।

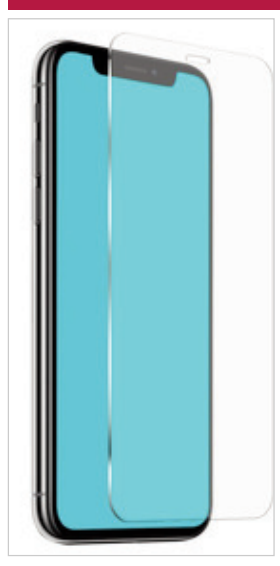

इवेंट में बताई गई कीमतें 50,000 डॉलर की कीमत सीमा से काफी अधिक हैं, तकनीकी अरबपति ने लंबे समय से कहा था कि वाहन खुदरा बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

बाजार को अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार

नई दिल्ली।

बाजार मंगलवार रात को अमेरिका से आने वाले मुद्रास्फीति डेटा और बुधवार को फेडरल रिजर्व के बयान पर नजर रखेगा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है।मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 32 अंक गिरकर 69,896 अंक पर कारोबार कर रहा है। एलएंडटी, मारुति 1 फीसदी नीचे हैं। उन्होंने कहा, बाजार में एक महत्वपूर्ण रुझान पीएसयू बैंकों और कुछ प्रमुख निजी बैंकों वाले सेक्टर में हो रहा संचय है। बाजार में तेजी का समर्थन करने वाले मूलभूत कारक कई हैं -- तीसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर 7.6 प्रतिशत, सीपीआई मुद्रास्फीति में 4.87 प्रतिशत तक गिरावट, विनिर्माण पीएमआई 56 तक, ब्रेंट क्रूड 76 डॉलर तक नीचे और अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में 4.23 प्रतिशत तक सुधार -- इसके चलते एफपीआई खरीदारी कर रहे हैं। इन सकारात्मक आर्थिक खबरों को 2024 के आम चुनावों के बाद राजनीतिक स्थिरता की उम्मीदों से बल मिल रहा है। उन्होंने कहा, बाजार आगे बढ़ने से पहले आने वाले महत्वपूर्ण आंकड़ों का इंतजार कर सकता है।

कॉर्निंग ने स्मार्टफोन ग्लास फैक्ट्री लगाने के लिए तमिलनाडु को चुना

नई दिल्ली।

तेलंगाना में सरकार बदलने के साथ खबर आई कि एप्पल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता अमेरिका स्थित कॉर्निंग इंक ने घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता ऑप्टिमस इंफ्राकॉम के सहयोग से अपनी 1,000 करोड़ रुपये की फैक्ट्री लगाने के लिए तेलंगाना के बजाय तमिलनाडु को चुना है।इससे पहले, तत्कालीन के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सितंबर में घोषणा की थी कि कॉर्निंग इंक ने अपनी गोरिल्ला ग्लास विनिर्माण फैक्ट्री लगाने के लिए तेलंगाना को चुना है। राज्य के पूर्व आईटी और उद्योग मंत्री के.टी. रामा राव के कार्यालय के एक बयान में कहा गया था कि तेलंगाना में प्रस्तावित फैक्ट्री से 800 से अधिक लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। रामा राव ने न्यूयॉर्क में कॉर्निंग इंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉन बायने, ग्लोबल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव रवि कुमार और सरकारी मामलों की निदेशक सारा कार्टमेल से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था, कई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियां तेजी से हैदराबाद को अपने गंतव्य के रूप में चुन रही हैं। फॉक्सकॉन ने साल की शुरुआत में राज्य में एक महत्वपूर्ण निवेश किया था, और अब तेलंगाना में कॉर्निंग का निवेश तेलंगाना और भारत में स्मार्टफोन निर्माण के एक नए युग को आगे बढ़ाएगा। द इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कॉर्निंग इंक श्रीपेरंबुदूर के पास पिल्लईपक्कम में 1,000 करोड़ रुपये की विनिर्माण फैक्ट्री स्थापित करने पर विचार कर रही है और इसमें 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉर्निंग ने फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन जैसे अन्य एप्पल आपूर्तिकर्ताओं से निकटता के कारण तेलंगाना के बजाय तमिलनाडु को चुना है। जनवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर मीट (जीआईएम) में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

मुक्त व्यापार समझौते से ओमान में भारतीय निर्यात बढ़ेगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारत और ओमान के एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर पहुंचने से गैसोलीन, लोहा तथा इस्पात, इलेक्ट्रॉनिक और मशीनरी जैसे 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 83.5 प्रतिशत से अधिक भारतीय सामानों को ओमान में बढ़ावा मिलेगा।

एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिप्रोच इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा तैयार की गई इंडिया-ओमान सीईपीए: गेटवे टू मिडिल ईस्टर्न मार्केट्स एंड बियॉन्ड' के अनुसार इन वस्तुओं पर वर्तमान में ओमान में पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर बातचीत जारी हैं। समझौते पर पहुंचने से दोनों देश अपने बीच सहमत अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को काफी कम या समाप्त किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि नए व्यापार समझौते से प्रमुख निर्यात वस्तुएं जैसे मोटर गैसोलीन, लोहा व इस्पात उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक, मशीनरी, एल्यूमीनियम ऑक्साइड, कपड़ा, एल्यूमिना कैलक्लाइंड, प्लास्टिक, बिना हड्डी का मांस, आवश्यक तेल और मोटर कार पर शुल्क समाप्त होने से बेहद फायदा होगा।

Sports

2019 के बाद पुरूष क्रिकेट से अधिक हुई महिला क्रिकेट की प्रगति : गांगुली

नई दिल्ली । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि भारत में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से पुरूष क्रिकेट की तुलना में अधिक प्रगति की है। गांगुली ने कहा कि भारत में 2019 के बाद से महिला क्रिकेट ने काफी प्रगति की है, पुरूष क्रिकेट से भी अधिक प्रगे ति हुई है। पुरूष क्रिकेट हमेशा से अच्छी स्थिति में था। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट ने जहां से यहां तक का सफर तय किया है, वह काबिले तारीफ है। एशिया कप जीतना, विश्व कप में प्रदर्शन और राष्ट्रमंडल खेल में उपविजेता रहना। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत, स्मृति, रिचा, जेमिमा, शेफाली, सभी की प्रगति प्रभावी रही है। सौरभ गांगुली ने कहा कि जब झूलन गोस्वामी ने संन्यास लिया तो लगा कि अगली तेज गेंदबाज कहां से आएगी लेकिन पिछले तीन साल में रेणुका ठाकुर आई। महिला क्रिकेट के लिये यह बहुत अच्छी बात रही। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि हाल ही में महिला प्रीमियर लीग की नीलामी के दौरान भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीमों द्वारा चुने जाने से उन्हें काफी अच्छा लगा है।

भारत ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड को 4-3 से हराया

कुआलालंपुर।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने धैर्य और चरित्र का शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को 4-3 से हरा दिया। दुनिया के तीसरे नंबर के भारत और दुनिया के चौथे नंबर के नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले की तैयारी के अनुरूप मैच में, भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए जबरदस्त लचीलापन दिखाया, जहां उनका मुकाबला 14 दिसंबर को जर्मनी से होगा। नीदरलैंड्स ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में टिमो बोअर्स (5%) के पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मैच को आगे बढ़ाया। भारतीय टीम के मजबूत बचाव के बावजूद, दूसरे क्वार्टर में पेपिज़न वैन डेर हेजडेन (16%) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर रूपांतरण के माध्यम से नीदरलैंड के लिए गोल किया, जिससे हाफ टाइम तक उनकी बढ़त 2-0 हो गई। भारत ने तीसरे क्वार्टर में अरिजीत सिंह हुंदल की सहायता से आदित्य लालेज (34%) के गोल के साथ जोरदार वापसी की। दो मिनट बाद अरिजीत ने पेनल्टी स्ट्रोक से भारत के लिए बराबरी का गोल किया। भारत के साथियों ने डचों पर दबाव बनाए रखा लेकिन वे एक और पेनल्टी कार्नर बनाने में कामयाब रहे जिसे तीसरे क्वार्टर के अंत में ओलिवर हॉर्टेंसियस (44%) ने गोल में बदल दिया क्योंकि डचों ने तीसरे क्वार्टर के अंत में एक गोल की मामूली बढ़त हासिल कर ली। दस मिनट से भी कम समय शेष रहने पर, भारतीयों ने अपने खेल की गति बढ़ा दी और यह उपयोगी साबित हुआ क्योंकि सौरभ आनंद कुशवाह (52%) ने एक शानदार हमले के बाद रिबाउंड पर नेट पर गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। पेनल्टी कॉर्नर को बदलने का एक और मौका बनाया गया था, इस बार यह भारत के पक्ष में था और कप्तान उत्तम सिंह (57%) ने इसका पूरा उपयोग करते हुए केवल तीन मिनट शेष रहते हुए भारत को आगे कर दिया। घड़ी में बस कुछ ही मिनट बचे थे, डचों पर बराबरी करने का दबाव था।

भारत की जीत को डच पक्ष के दबाव से रोकने के लिए भारतीयों को अपना चरित्र दिखाना था, और भारत की रक्षा का केंद्र बिंदु रोहित थे, जिन्हें भेदना कठिन था - क्योंकि उन्होंने अंतिम क्वार्टर में लगातार छह पीसी को रोककर भारत की जीत सुनिश्चित की। उनके प्रयासों के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। भारत गुरुवार, 14 दिसंबर को भारतीय समयानुसार 1530 बजे पहले सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगा।

इंटरनेशनल क्रिकेट में आया नया नियम, स्टॉप क्लॉक से निर्धारित होगा मैच

दुबई ।

इंटरनेशनल क्रिकेट में अब नया नियम लागू होने जा रहा है। इससे अब दो ओव्हर के बीच समय निर्धो रित होगा। बताया जा रहा है कि काउंसिल की तरफ से खेल को और बेहतर बनाने के लिए यहा कदम उठाया जा रहा हैं। अब मैच के दौरान समय बर्बाद ना हो इसके लिए नया नियम लागू होने जा रहा है। जिसके मुताबिक अब दो ओवर के बीच समय निर्धारित रहेगी और इसे पूरा ना कर पाने पर गेंदबाजी करने वाली टीम को नुकसान उठाना पड़ेगा। ओवरों के बीच में लगने वाले समय को सीमित करने के लिए 'स्टॉप क्लॉक' ट्रायल वेस्टइंडीज और इग्लैंड के बीच टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा। खेल की वैश्विक संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ट्रायल की शुरुआत मंगलवार को बारबडोस में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के साथ होगी। आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि 'स्टॉप क्लॉक' से ओवरों के बीच लगने वाले समय को सीमित किया जाएगा।

इसका मतलब है कि गेंदबाजी टीम को पिछला ओवर पूरा करने के 60 सेकेंड के भीतर अगले ओवर की पहली गेंद फेंकने के लिए तैयार होना होगा। पारी में तीसरी बार ऐसा करने में नाकाम रहने पर क्षेत्ररक्षण टीम के खिलाफ पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी। नए नियम के संबन्ध में आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा कि हमारा ध्यान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में खेल की गति में इजाफे के तरीके ढूंढने पर है। सफेद गेंद के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक ट्रायल से पहले 2022 में खेलने की नई परिस्थितियों को सफलतापूर्वक लागू किया गया। इसके अनुसार निर्धारित समय में अगर टीम अंतिम ओवर की पहली गेंद फेंकने की स्थिति में नहीं होती है तो उसे अंदरूनी घेरे के बाहर सिर्फ चार क्षेत्ररक्षकों को खड़ा करने की स्वीकृति दी जाएगी।

गौतम गंभीर ने माना, रोहित भारत के लिए बेहतर कप्तान, टीम को उनकी जरुरत

नई दिल्ली । भारतीय टीम ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में धमाकेदार प्रदर्शन किया था। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शुरुआती सभी 10 मैच जीते थे, लेकिन फाइनल मुकाबले में पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीत लिया था।अब भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर तीन टी20, 3 वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। इसके लिए टी20 में सूर्या और वनडे में केएल राहुल को कप्तानी सौंपी है। जबकि टेस्ट में रोहित ही कमान संभाल रहे हैं। अगले साल जून 2024 में टीम को टी20 वर्ल्ड कप भी खेलना है। इसके बाद फिर रोहित को कप्तानी सौंपने की मांग उठने लगी है। फैंस सहित कई दिग्गजों ने इसकी पैरवी की है। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी इस लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि रोहित अच्छे फॉर्म में हैं और शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं, तब मेरा मानना है कि उन्हें कप्तानी सौंप देनी जानी चाहिए। गौतम गंभीर ने कहा, कप्तानी कोई बड़ी बात नहीं है। मुझे नहीं लगता कि रोहित बुरा कप्तान है। आपने वर्ल्ड कप में दबदबा बनाए रखा था। सिर्फ एक खराब मैच के कारण आप उस बुरा कप्तान नहीं कहा जा सकता हैं। मेरा मानना है कि उन्हें कप्तानी सौंपी जानी चाहिए। गंभीर ने कहा, कप्तानी जरूरी नहीं है, लेकिन टीम जरूरी है। आपको टीम में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्लेयर को चुनना होगा, चाहे वहां रोहित, हार्दिक या सूर्या जो भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो,उस कप्तान होना चाहिए। टी20 में कप्तानी नहीं फॉर्म काफी अहम है। श्रीसंत के सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा, मामले में कुछ कहने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है। मैं यहां अच्छे काम के लिए आया हूं।

जूनियर द्रविड़-सहवाग आमने-सामने : बीसीसीआई अंडर-16 प्रतियोगिता में होगा मुकाबला

विजयवाड़ा ।

लगभग एक दशक बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के स्कोर कार्ड में भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों (वीरेंद्र) सहवाग और (राहुल) द्रविड़ के नाम दिखाई देने वाले हैं। कर्नाटक और दिल्ली के बीच शुरू हुए विजय मर्चेंट ट्रॉफी राष्ट्रीय अंडर-16 प्रतियोगिता में द्रविड़ और सहवाग आमने-सामने हैं। कर्नाटक की अंडर-16 टीम के कप्तान अन्वय द्रविड़ और दिल्ली के सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग इस मैच में अपनी राज्य टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पहले दिन के खेल में हालांकि जूनियर द्रविड़ का बल्ला नहीं चला और वह खाता भी नहीं खोल सके, जबकि जूनियर सहवाग 50 रन बनाकर खेल रहे हैं। अन्वय पूर्व भारतीय कप्तान और वर्तमान में मुख्य कोच द्रविड़ के छोटे बेटे हैं। वह टीम के विकेटकीपर भी हैं। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर अपने पिता की तरह ही आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। भारतीय क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए यह साल अच्छा रहा है। अर्जुन तेंदुलकर ने इस वर्ष आईपीएल में पदार्पण किया और अब वह गोवा से खेल रहे हैं। दूसरी ओर द्रविड़ के बड़े बेटे समित ने कूच बेहार ट्रॉफी राष्ट्रीय अंडर-19 प्रतियोगिता में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व किया। दिल्ली और कर्नाटक के बीच मंगलागिरी के आंध्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 मैच में

कर्नाटक की टीम 56.3 ओवर में 144 रन पर आउट हो गई। 5वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे अन्वय अपना खाता भी नहीं खोल पाए। उन्हें दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज आयुष लाकड़ा ने बोल्ड किया। इसके जवाब में दिल्ली ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 30 ओवर में एक विकेट पर 107 रन बनाए हैं। आर्यवीर 98 गेंद पर 50 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

केट क्रॉस के आने से आरसीबी की गेंदबाजी में आएगी धार : स्मृति मंधाना

मुंबई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने उम्मीद जाहिर कि इंग्लैंड की अनुभवी तेज गेंदबाज केट क्रॉस के टीम में आने से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के दूसरे सत्र में गेंदबाजी में पैनापन आएगा और वह खासकर पावरप्ले में रेणुका सिंह की मदद करने में सफल रहेंगी। रॉयल चैलेंजर्स ने नीलामी में क्रॉस को 30 लाख रुपये में खरीदा। 32 साल की खिलाड़ी को फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। वह ब्रिस्बेन हीट और मैनचेस्टर ओरिजनल्स जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। मंधाना ने कहा, 'हमारे पास अब केट क्रॉस है। मुझे लगता है कि वह पावरप्ले में (तेज गेंदबाज) रेणुका को अच्छी तरह से मदद करेगी। इस नीलामी में आरसीबी का ध्यान विशेषज्ञ बल्लेबाजों की तुलना में अधिक गेंदबाजों और हरफनमौला खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने पर था। मंधाना ने कहा कि टीम ने इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर नीलामी में भाग लिया था। आरसीबी ने क्रॉस के अलावा एकता बिष्ट (बाएं हाथ की स्पिनर), जॉर्जिया वेयरहैम (लेग स्पिनर), सब्बिनेनी मेघना (हरफनमौला), सिमरन बहादुर (मध्यम तेज गेंदबाज), सोफी मोलिनेक्स (बाएं हाथ की स्पिनर) और शुभा सतीश (हरफनमौला) को टीम में शामिल किया। मंधाना ने कहा, मोलिनेक्स और वेयरहैम की मौजूदगी से गेंदबाजी बहुत अनुभवी दिखती है। हमारे पास श्रेयंका, सोफी डिवाइन और एलिसे पेरी जैसे खिलाड़ी भी हैं। डब्ल्यूपीएल के शुरुआती सत्र में आरसीबी का प्रदर्शन खराब रहा और वह पांच टीमों की लीग में चौथे स्थान पर रही। **डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए आरसीबी टीम :** स्मृति मंधाना, आशा शोभना, दिशा कसाट, एलिसे पेरी, हीदर नाइट, इंद्राणी रॉय, कनिका आहूजा, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, सोफी डिवाइन, जॉर्जिया वेयरहम, केट क्रॉस, एकता बिष्ट, शुभा सतीश , सब्बीनेनी मेघना, सिमरन बहादुर और सोफी मोलिनेक्स।

डब्ल्यूपीएल में एलिसा हीली का विकेट लेना चाहती है काशवी गौतम

मुंबई । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी भारतीय 'अनकैप्ड (जिस खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी तेज गेंदबाज काशवी गौतम ने कहा कि आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली का विकेट लेने पर उन्हें सबसे अधिक खुशी मिलेगी। चंडीगढ़ की निवासी तेज गेंदबाज गौतम को नीलामी में गुजरात जॉइंट्स ने दो करोड़ रुपए में खरीदा था। गौतम आक्रामक बल्लेबाजी करने में भी सक्षम है।गौतम ने कहा, यह अभी अविश्वसनीय है। मैं अभ्यास के बाद टीम बस में यात्रा कर रही थी और तब मेरी एक साथी खिलाड़ी ने मुझे नीलामी के बारे में बताया। राशि बढ़ती गई और मुझे चुन लिया गया। उन्होंने जॉइंट्स की मेंटर (मार्गदर्शक) और नीलामी के दौरान मौजूद रही मिताली राज के संबंध में कहा, यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने का बहुत बड़ा मौका है। हम सभी मिताली जी को अपना आदर्श मानते हैं। उनसे बातचीत करना और गुर सीखने का यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका होगा।

लगातार 5 पारियों के शून्य पर आउट होने वाले आज टीम के मुख्यचयनकर्ता

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे अधिक बार 0 पर आउट होने की यह शर्मिंदगी मुथैया मुरलीधरन ने झेली है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ बैटर भी हैं, जिन्होंने यह शर्मिंदगी एक-दो नहीं, बल्कि लगातार 5 पारियों में झेली है। इन बैटर्स में एक नाम उस क्रिकेटर का भी है, जो वर्तमान में बीसीसीआई का मुख्य चयनकर्ता है, अजित आगरकर का नाम भी शामिल है। आगरकर की गिनती भारत के बेहतरीन क्रिकेटरों में होती है। जब आगरकर अपने करियर के पीक पर थे, तब सबसे कम मैचों में 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। लॉर्ड्स में शतक भी आगरकर का वहां कारनामा है, जिसे याद कर वे अच्छा महसूस करते हैं, लेकिन यकीन मानिए, जब कभी उन्हें ऑस्ट्रेलिया के 1999-2000 दौरे की याद आती होगी, वे दुखी हो जाते हैं। अजित ने इस दौरे पर ऐसा रिकॉर्ड बनाया था, जो कोई क्रिकेटर कभी भी ना तब बनाना चाहेगा और ना ही उसकी बराबरी करना चाहेगा। अजित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में लगातार 5 पारियों में 0 पर आउट हुए थे। अजित ने मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में पेयर बनाया था। यानी वे मेलबर्न और सिडनी टेस्ट की दोनों पारियों में खाता नहीं खोल सके थे। इससे पहले वे एडिलेड टेस्ट की चौथी पारी में भी बिना खाता खोले आउट हुए थे। अजित के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तब उन्होंने 26 टेस्ट, 191 वनडे और 4 टी20 इंटरेनशनल मैच खेले हैं। उन्होंने इन तीनों फॉर्मेट में कुल मिलाकर 349 विकेट लिए हैं और 1855 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। अजित फिलहाल बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता हैं। हालांकि, अजित लगातार 5 पारियों में 0 पर आउट होने वाले पहले क्रिकेटर नहीं हैं। उससे पहले रॉबर्ट हॉलैंड और डैनी मॉरिसन भी यह अनचाहा रिकॉर्ड बना चुके थे। ऑस्ट्रेलिया के रॉबर्ट हॉलैंड स्पेशलिस्ट लेग स्पिनर थे। जबकि न्यूजीलैंड के डैनी मॉरिसन तेज गेंदबाज थे।

हॉलैंड ने 1985 में यह रिकॉर्ड बनाया था, जिसे मॉरिसन ने 1993 में बराबर किया। बता दें कि हॉलैंड और डैनी मॉरिसन को उनकी टीम के सबसे कमजोर बैटर माना जाता था।

आईपीएल मंडी में सबसे युवा केना मफाका और सबसे ज्यादा उम्र वाले नबी पर लगेगी बोली

नई दिल्ली ।

आईपीएल ऑक्शन 2024 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची जारी कर दी गई है। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन के लिए नीलामी 19 दिसंबर, 2023 को दुबई में होनी है। इसमें कुल 333 क्रिकेटरों को शामिल किया जाएगा। 333 में से 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। 2 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। कुल कैप्ड खिलाड़ी 116 हैं, अनकैप्ड खिलाड़ी 215 जबकि 2 एसोसिएट देशों से हैं। 10 फ्रेंचाइजियों के पास सिर्फ 77 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिसमें 30 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। 2 करोड़ रुपए उच्चतम आरक्षित मूल्य में 23 खिलाड़ी हैं। इसके अलावा 13 खिलाड़ी हैं जिन्होंने बेस प्राइस 1.5 करोड़ रुपए रखा है। बोली के लिए खिलाड़ियों के विभिन्न सेट बनाए गए हैं। पहले सेट में 8 प्लेयर हैं। इसमें पहले नंबर पर इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक का नाम है। उसके बाद क्रिकेट विश्व कप फाइनल के हीरो ट्रेविस हेड है। इसके बाद करुण नायर, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, रिली रौसोव, स्टीव स्मिथ का नाम है। कुछ अनजान खिलाड़ी भी फ्रेंचाइजी का ध्यान खींचने में सफल हो सकते हैं। इसमें इंग्लैंड के टॉम कोहलर कैडमोर भी शामिल हैं जिनका आधार मूल्य 40 लाख रुपए है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा का आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपए है। उनके अलावा श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका भी अच्छी कीमत हासिल कर सकते हैं। अधिकतर आईपीएल में ही खेलने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों शिवम मावी, कार्तिक त्यागी और कमलेश नागरकोटी को 20 से 30 लाख रुपए आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है। ऑक्शन में सबसे युवा प्लेयर साऊथ अफ्रीका के क्वेना मफाका है। मफाका को अंडर 19 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देखा गया है। वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। ऑक्शन में सबसे ज्यादा उम्र के क्रिकेटर जिनपर बोली लगेगी, वे हैं अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी। ट्वंटी20 फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले बनी अभी तक सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके हैं। उनका बेस प्राइस डेढ़ करोड़ रुपए है।

वेस्टइंडीज के केंद्रीय अनुबंध को होल्डर, पूरन, मायर्स ने ठुकराया

किंग्सटाउन । वेस्टइंडीज के केंद्रीय अनुबंध को होल्डर, पूरन और मायर्स ने ठुकरा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने 2023-24 सत्र के लिए यह अनुबंध ठुकरा दिया है। बताते चले कि तीनों इस दौरान टी20 खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। वेस्टइंडीज के केंद्रीय अनुबंध में फिलहाल 14 पुरूष और 15 महिला खिलाड़ी शो मिल हैं। वेस्टइंडीज पुरूष टीम के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हैंस ने कहा कि हमें पता है कि हम किस दिशा में जाना चाहते हैं। उन्हीं खिलाड़ियों को अनुबंध की पेशकश की गई है जिन्हें हम भविष्य में चाहते हैं। अगला टी20 विश्व कप हमारे देश में हो रहा है और हम उसमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। वेस्टइंडीज के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में पुरूष खिलाड़ी एलिक अथानाजे, क्रेग ब्रेथवेट, कीसी कार्टी, टी चंद्रपॉल, जोशुआ डासिल्वा, शाइ होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, केमार रोच, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड हैं जबे कि महिला में आलिया एलेने, शेमाइन कैंपबेल, शामिलिया कोनेल, एफी फ्लेचर, चेरी अन फ्रेसर, शबीका गजनबी, जेनिलिया ग्लासगो, शेनेटा ग्रिमंड, चिनेले हेनरी, जाइदा जेम्स, मैंडी मंगरू, हीली मैथ्यूज, करिश्मा रामाराक, स्टेफनी टेलर, रशाडा विलियम्स को शो मिल किया गया है।

वनडे टीम में चहल की हुई वापसी संजय मांजरेकर ने जताई हैरानी

नई दिल्ली ।

स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में खेलने के लिए वापसी हो गई है। हालों कि उनके टी20आई श्रृंखला में शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन सभी को आश्चर्य हुआ क्योंकि 33 वर्षीय खिलाड़ी वनडे सेट-अप में वापस आ गए हैं। इससे उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने और आगामी टी20 विश्व कप के लिए योजना में शामिल होने का अवसर भी मिलता है। इस संबन्ध में बोलते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बताया कि वह चहल को टी20आई गेंदबाज मानते हैं और उनसे वनडे प्रारूप में खेलने की उम्मीद नहीं कर रहे थे। संजय मांजरेकर ने कहा कि मुझे यह पसंद है। फिर से यह कार्यभार प्रबंधन है, लेकिन मैं इस तथ्य से उत्साहित हूं कि दीपक चाहर वापस आ गए हैं क्योंकि मैं उन्हें एक क्रिकेटर के रूप में खूब पसंद करता हूं। मांजरेकर ने कहा कि आवेश खान को एक और मौका मिला है। मेरा मानना है कि मुकेश कुमार एक मजबूत और भरोसेमंद गेंदबाज हैं, वह आ गए हैं। चहल एक आश्चर्यजनक समावेश है। मैंने सोचा था कि टी20 क्रिकेट के लिए चहल आपके लिए अधिक उपयुक्त गेंदबाज हैं, लेकिन वहां उन्हें बिश्नोई जैसा कोई मिल गया है।

बल्लेबाजी के बारे में बात करते हुए मांजरेकर ने कहा कि रजत पाटीदार उसे फिट और आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं यह देखकर वास्तव में खुश हूं। रिंकू सिंह के लिए बड़ा प्रमोशन भी है। वह अब वनडे क्रिकेट का हिस्सा बन गए हैं। मैंने संजू सैमसन को भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेलते हुए देखा है। मैं वहां भी थोड़ा उत्साहित हो गया कि वह एक अच्छा विकल्प हैं। जब मैं भारत की दूसरी पंक्ति या अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को देखता हूं तो हमेशा उत्साहित होता हूं। ऐसा

लगता है कि यह बहुत मजबूत टीम है लेकिन दक्षिण अफ्रीका भी सफेद गेंद क्रिकेट और द्विपक्षीय श्रृंखला में एक मजबूत टीम है।

रिंकू सिंह से युवी बनने की उम्मीद कर रहे पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर

नई दिल्ली । भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है। अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ पदार्पण के बाद से युवा बल्लेबाज ने टी20आई में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अंतिम ओवर में लगातार पांच छक्के लगाने के बाद रिंकू ने सुर्खियां बटौरी जिससे कोलकाता नाइट राइडर्स ने अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। भारत के महान पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि रिंकू के अपनी क्षमताओं पर विश्वास ने उन्हें बाकियों से अलग दिखने में मदद की है। गावस्कर ने कहा, पिछले 2-3 साल, फिर यहां आईपीएल में, जब उन्हें आखिरकार मौका मिला तब वह कई टीमों से अंदर-बाहर होते रहे और जिस तरह से उन्होंने इस भुनाया (वह अद्भुत था)। रिंकू ने छह टी20 पारियां खेलकर 60 की औसत और 187.50 की स्ट्राइक रेट से 180 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दौरान वह भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित होने वाले हैं। गावस्कर ने उल्लेख किया कि भारतीय प्रशंसक दक्षिणपूर्वी की क्षमताओं की तुलना युवराज सिंह से कर रहे हैं, जो सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के महानतम मैच विजेताओं में से एक हैं। भारत के पूर्व कप्तान ने कहा कि युवराज ने देश के लिए जो किया अगर रिंकू उसका एक अंश भी अनुकरण कर सके, तब यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि होगी। गावस्कर ने कहा, और अब वह भारत की टीम का हिस्सा है। अब उनसे बहुत सारी उम्मीदें हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्ले मॉडलिंग से बनाए अपना करियर

अगर आपको कलाकृतियां बनाने में दिलचस्पी है, आपकी सोच रचनाधर्मी है तो आपके लिए क्ले आर्ट के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। कागज, लकड़ी और मिट्टी से बनी कलाकृतियों को अब घर में डेकोरेशन के रूप सजाया जाने लगा है।

मिट्टी और क्ले की मदद से अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल कर अगर आप घर बैठे ही बहुत कुछ नया बना डाल देते हैं तो अपने इस शौक को आप बतौर करियर की ओर मोड़ सकते हैं। कुछ समय पहले तक क्ले को महज बच्चों के खिलौनों के रूप में देखा जाता था लेकिन अब इसमें करियर की अपार संभावनाएँ जुड़ गई हैं।

क्ले मॉडलिंग की कला दिल से निकली हुई कला है। अगर आपका मन इसमें रमा हुआ है और मिट्टी से खेलना आपका शौक है तो आप इसमें बहुत आगे बढ़ सकते हैं।

आजकल विभिन्न प्रदर्शनियों से लेकर कला-संस्कृति से जुड़े बड़े आयोजनों में यह कला बखूबी इस्तेमाल की जाती है। एक बार आपका क्ले में हाथ साफ हो गया फिर आप सेरेमिक से लेकर नई-नई चीजों पर भी आसानी से काम कर सकते हैं। यही नहीं अगर आप एनिमेशन का कोई कोर्स करना चाहते हैं और आपकी क्ले मॉडलिंग पर अच्छी पकड़ है तो निश्चित तौर पर आप एनिमेशन में भी मास्टर हो सकते हैं।

मूलरूप से क्ले मॉडलिंग फाइन आर्ट्स का ही एक विषय है। यूँ तो आपमें हुनर और इस कला को सीखने की ललक है तो आप खुद-ब-खुद ही इसमें पारंगत हो जाएँगे।

इसके अंतर्गत क्ले मॉडलिंग का विषय खुद में बहुत रोचक है। इसी के साथ आप चाहें तो इसमें बैचलर और फिर मास्टर डिग्री भी ले सकते हैं।

■अगर बैचलर्स नहीं करना चाहते तो शौकिया तौर पर हॉबी क्लासेस भी ले सकते हैं या फिर कोई शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड और गुड़गाँव के एपिसेंटर में भी मार्च और अप्रैल के माह में क्ले मॉडलिंग पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता रहता है।

क्या है जरूरी

■ अगर आप क्ले मॉडलिंग में स्नातक करना चाहते हैं तो इसमें प्रवेश के लिए 12वीं में आपके 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। वैसे हर कॉलेज का अपना अलग-अलग क्राइटेरिया होता है। इसके अतिरिक्त बैचलर के बाद आप फाइन आर्ट्स में ही मास्टर भी कर सकते हैं।

■ इन सबके अलावा आप चाहें तो किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट 3 और 6 महीने में शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं।

■ जब तक आप खुद तसल्ली न कर लें कि जो आपने बनाया है वह सही है तब तक उसे बनाते रहने का प्रयास आपमें हो। ये सभी गुण क्ले मॉडलिंग के लिए बेहद जरूरी हैं। अगर से सभी गुण आपमें हैं तो आप इसे बतौर करियर चुन सकते हैं।

■ क्ले मॉडलिंग को बतौर करियर चुनने के बाद आप किसी स्कूल में आर्ट टीचर बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपनी खुद की प्रदर्शनी लगा सकते हैं। आजकल किसी भी इवेंट में भी क्ले मॉडलिंग का प्रयोग होता है ताकि उस स्थान को आकर्षक बनाया जा सके। इससे इतर मेट्रो स्टेशन की सजावट और कॉमनवेल्थ गेम्स में स्टेडियम की सजावट से लेकर खेल गाँव को सजाने में भी क्ले मॉडलिंग का खूब इस्तेमाल हुआ।

■ इस क्षेत्र में आप शुरुआती दौर में 15 से 20 हजार तक आसानी से कमा सकते हैं। उसके बाद यदि आपने इस क्षेत्र में मास्टर किया है तो आपकी कार्यकुशलता के अनुसार आपका वेतन बढ़ता चला जाता है।

रत्नों में बनाएं उज्ज्वल भविष्य

रत्नों का बाजार भारत के कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा है। इस बड़े बाजार से भारत को अच्छी खासी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ट्रेनिंग के साथ ही तकनीकी ज्ञान होना नितांत आवश्यक है। इसके अलावा लोगों में पहले से ज्यादा रत्नों को धारण करने का चलन बढ़ा है। कई लोग ग्रहों को शांत करने, ग्रहों को अपने पक्ष में करने, व्यक्तिगत जीवन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए रत्न धारण करते हैं तो कुछ इसे आभूषण के तौर पर धारण करते हैं। रत्नों की खासियत के बारे में व्यापक जानकारी जैमोलॉजी के जरिए मिलती है। इसे हम यूं भी कह सकते हैं कि जैमोलॉजी के तहत रत्नों का अध्ययन किया जाता है।

जैमोलॉजी

गौरतलब है कि रत्नों को विलासिता, शान-शौकत की निशानी मानी जाती रही है। रत्नों को बादशाहत से जोड़कर भी देखा जाता रहा है, राजा-महाराज और बादशाह रत्नजड़ित आभूषण, मुकुट आदि धारण करते थे। पारंपरिक तौर पर रत्न जड़ित गहने बनाने का काम लोग पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। केवल सुनार ही नहीं, उनके कारीगर भी यह काम सीखते और सिखाते आ रहे हैं। लेकिन आज इसके लिए पारिवारिक पृष्ठभूमि जरूरी नहीं है। इस काम के लिए आज ढेरों प्रशिक्षण केंद्र खुल गए हैं जो डिजाइन, निर्माण और बनावट की गहरी जानकारी देते हैं। इसके अलावा रत्नों की जांच परख के लिए अब तो अत्याधुनिक मशीनें भी आ गई है। फैशन और एसेसरीज के बढ़ते मार्केट ने जैमोलॉजी के क्षेत्र को बहुत विस्तार दिया है। हमारे देश में जयपुर तथा सूरत दुनिया के सबसे बड़े रत्न कटिंग सेंटर हैं। यहां लेटेस्ट डिजाइन और ट्रेंड्स के रत्न तराशे जाते हैं। भारतीय जैम एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री तेजी के साथ उभरकर आई है। भारत में रत्न कटिंग करने वालों और कारीगरों को पूरी दुनिया में बहुत इज्जत से देखा जाता है।

वैश्विक जैम एंड ज्वेलरी मार्केट को बढ़ाने में भारतीयों का बड़ा योगदान रहा है। ब्रांडेड ज्वेलरी ने करियर के नए मौके सामने ला दिए हैं। ज्वेलरी निर्यात में भारत दुनिया के 70 फीसदी हिस्से का दावेदार है। पारंपरिक भारतीय रत्न जड़ित आभूषणों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। एक आंकलन के अनुसार भारत में कीमत के हिसाब से 60 फीसदी, वैल्यूम के हिसाब से 82 फीसदी और कट के हिसाब से 95 फीसदी हीरों की प्रोसेसिंग की जाती है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि जैमोलॉजी के क्षेत्र में बेहतर कैरियर उपलब्ध है।

जैमोलजिस्ट्स के काम में रत्न की जांच, छंटाई और सही श्रेणी में बांटने का काम प्रमुखता से होता है। ये लोग रत्न निर्माताओं और डिजाइनर्स को उपरोक्त बातों की जानकारी प्रदान करते हैं। किसी व्यक्ति पर होने वाले रत्नों के असर के बारे में भी इनकी जानकारी अहम होती है। जैमोलजिस्ट्स में सूक्ष्म अवलोकन करने, गहराई से जांच करने और शुद्धता की प्रामाणिकता सिद्ध करने की क्षमता होनी चाहिए। इस विषय में पढ़ाई करने के लिए उच्चतम तकनीकी जानकारी के अलावा कटिंग, छांटने, कीमत और पहचान की जानकारी जरूरी है।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के अलावा जैम कटिंग, जड़ाऊ जेवर बनाने, सुधारने तथा रत्न जड़ित घड़ियां, वस्त्र एवं एसेसरीज भी बनाई जाती है। इसके अलावा खुद डिजाइन तैयार करके बड़े ज्वेलर्स और कंपनियों को डिजाइन देने का काम भी बहुत मुनाफे का सौदा है। आभूषणों का बाजार बहुत बड़ा और बेहद प्रतियोगी है इसलिए काम शुरूकरने से पहले सेल्स का अनुभव, मार्केटिंग की जानकारी तथा बिजनेस मैनेजमेंट के गुर सीखने जरूरी हैं। आज धोखाधड़ी के दौर में सिंथेटिक रत्न भी धड़ल्ले से ग्राहकों को बेचे जा रहे हैं इसलिए सही रत्न की पहचान के लिए सिर्फ भरोसा ही नहीं, साइंटिफिक तरीकों की जानकारी भी जैमोलजिस्ट्स को होनी जरूरी है। जैमोलॉजी कोर्स में दाखिले के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण है। इसके साथ ही अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है क्योंकि आपको देशी ही नहीं, विदेशी ग्राहकों और कंपनियों से भी तालमेल बैठाना होता है।

यदि आप घर से अपना काम शुरूकरना चाहते हैं तो दो से तीन लाख रुपए का निवेश करना होगा लेकिन यह भी है कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी के कारोबार में 100 फीसदी का मार्जिन भी मौजूद है।

संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जैमोलॉजी, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, ए-89, सेक्टर-2, नोएडा।
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुलमोहर पार्क के पास, हौजखास, नई दिल्ली।
- इंडियन जैमोलजिकल इंस्टिट्यूट, निर्मल टावर्स, 10वां माला, 26 बाराखंबा रोड, नई दिल्ली।
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलजी, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली।
- इंडियन डायमंड इंस्टिट्यूट सुमुल डेयरी रोड, सूरत।

कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एकाग्रता जरूरी

अक्सर काम करते वक्त ध्यान भटक जाता है। इससे कई लोग इस समस्या से परेशान है। लगातार काम करने के दौरान अथवा ज्यादा काम होने पर ध्यान भंग होने की स्थिति बन जाती है। मनौवैज्ञानिक और चिकित्सक भी बताते हैं कि जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंतित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ तो अपराध भावना या हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन तथा घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। ऐसे कुछ उपाय हैं जिन्हें आप अपनाकर एकाग्रता बढ़ा सकते हैं।

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें, इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- अपने कार्यों को टाले नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार मन में न लाए बल्कि कमियों को तलाशे और नई ऊर्जा के साथ लक्ष्य पाने में जुटे रहे।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- अपनी काबलियत और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें।
- समय-समय पर आत्म अवलोकन करें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखे।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को नियंत्रित रखें ताकि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।

एसिस्टेंट ग्रेड परीक्षा में संभावनाएं

केंद्र सरकार से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्तशासी संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हर साल एसिस्टेंट ग्रेड के पदों पर काफी बड़ी संख्या में युवाओं की भर्तियां की जाती हैं। इसी प्रकार की नियुक्तियां अर्ध सैन्य बलों और पुलिस संगठनों में भी होती हैं। यह संख्या प्रति वर्ष हजारों में होती है लेकिन यह निश्चित नहीं होती है। इसकी चयन प्रक्रिया में 20 से 25 वर्ष तक के ग्रेजुएट युवा शामिल हो सकते है।

मुख रूप से स्टाफ सिलेक्शन कमीशन या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस प्रकार की चयन परीक्षा का आयोजन केंद्र सरकार के अधिकांश मंत्रालयों और विभागों के लिए उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए किया जाता है पर कई संस्थाएं और निकाय स्वयं भी ऐसी परीक्षाएं संचालित करते हैं।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रति वर्ष एसिस्टेंट ग्रेड एग्जाम का संचालन किया जाता है। इसके जरिए रेल्वे बोर्ड सेक्रेटेरिएट सर्विस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट सर्विस, आर्म्ड फोर्सेस हेड क्वार्टर तथा भारत सरकार के अन्य विभागों में चयनित प्रत्याशियों को नियुक्त किया जाता है। परीक्षा के दो चरण होते हैं। पहले चरण में आब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों पर आधारित तीन घंटे की परीक्षा होती है इसमें चार विषयों की परीक्षा ली जाती है।

विषय- रीजनिंग एबिलिटी, जनरल अवेयरनेस अर्थमेटिक और लैंग्वेज (हिंदी या अंग्रेजी)। इनके 75-75 प्रश्न होते हैं। कुल 300 अंकों के ये सभी प्रश्न पत्र होते हैं। इसमें सफल उम्मीदवारों को ही मेन एग्जाम में शामिल होने की अनुमति मिल पाती है। प्रत्येक विषय के लिए अलग से टेस्ट पेपर दिया जाता है। प्रश्न अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही भाषाओं में होते हैं। लैंग्वेज प्रश्न पत्र सिर्फ पास करने की जरूरत होती है। इसके अंक मेरिट बनाते समय जोड़े नहीं किए जाते हैं। बहुविकल्पी प्रश्न होते हैं जिनमें से एक उत्तर पर निशान लगाना होता है।

रीजनिंग एबिलिटी के प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न होते हैं। इसके लिए प्रैक्टिस गाइड्स, कंपीटिशन पर आधारित पत्रिकाओं तथा नेट पर उपलब्ध सामग्री का लाभ उठाया जा सकता है। जनरल अवेयरनेस के खंड में इतिहास, भूगोल, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मामलों, भारतीय अर्थव्यवस्था तथा सामान्य विज्ञान पर प्रश्न पूछे जाते हैं।

अर्थमेटिक्स के पेपर में बुनियादी गणित से संबंधित प्रश्नों पर ज्यादा जोर होता है। प्रमुख भागों में अंकगणित, नंबर्स, स्टैटिस्टिक्स, ग्राफ तथा टाइम-डिस्टेंस आदि का नाम लिया जा सकता है। इस खंड में अपेक्षित सफलता पाने के लिए प्रैक्टिस ही एकमात्र विकल्प है।

भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) के प्रश्न पत्र का स्तर क्वालीफाइंग टाइप का ही होता है। प्रत्याशी के भाषा के व्यावहारिक ज्ञान की परख करना मात्र ही इस प्रश्न पत्र का एकमात्र उद्देश्य होता है।

मुख्य परीक्षा

इसमें प्रतिभागियों की भाषा ज्ञान के अतिरिक्त स्वयं को व्यक्त कर पाने की क्षमता की भी जांच की जाती है। उत्तर विस्तृत तरीके से लिखने की बाध्यता होती है। इसी प्रकार का टेस्ट अंकगणित का होता है जिसमें एसिस्टेंट के कार्यों के अनुरूप गणितीय कैलकुलेशन कर पाने की क्षमता को परखा जाता है। इसमें भाषा और गणित पर आधारित दो प्रश्न पत्र होते हैं। इस परीक्षा में 200 अंकों का अंग्रेजी और 100 अंकों का गणित आधारित प्रश्न पत्र होता है।

■ भाषा - इसमें 50 अंकों का जनरल अंग्रेजी का एक खंड होता है जबकि शेष 150 अंकों के खंड में कम्युनिकेशन एवं लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न शामिल किए जाते हैं।

■ अंकगणित - कुल सौ अंकों के इस दो घंटे की अवधि के प्रश्न पत्र में भी एलिमेंटरी गणित और सामान्य इस्तेमाल में आने वाले गणितीय अवधारणाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।

ऐसे करें तैयारी

■ अंग्रेजी या हिंदी भाषा की तैयारी के लिए व्याकरण की तैयारी के अलावा रोजाना लिखने की आदत भी डालें।

■ जनरल अवेयरनेस के लिए अखबारों और करंट अफेयर्स पर आधारित पत्रिकाओं को पढ़ने से काफी लाभ मिलता है।

■ लॉजिकल रीजनिंग के लिए सैंपल टेस्ट पेपर्स जितने कर सकें उतना ही फायदा पेपर्स के समय मिलेगा।

■ गणित में आठवीं से दसवीं तक की एनसीईआरटी की किताबों का अभ्यास करने से काफी बुनियादी जानकारी मिल जाएगी।

■ शब्दों के अर्थ के साथ उनके इस्तेमाल का ज्ञान भी होना चाहिए।

■ कैलकुलेशंस के शार्टकट फार्मूलों को याद करके जाए, इससे समय की काफी बचत होगी।

■ कम समय में अधिक प्रश्नों को करने की बाध्यता को देखते हुए अपने टाइम मैनेजमेंट को दुरुस्त रखें।

पुलिस स्टेशन पर फिदायिन हमला, तीन जवानों की मौत, 10 घायल

-पाकिस्तान में हुआ बड़ा आतंकी हमला

करांच। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक पुलिस स्टेशन पर आतंकियों के सुसाइट अटैक में तीन जवानों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार डेरा इस्माइल खान जिले में एक स्थानीय पुलिस स्टेशन पर आतंकवादियों के एक समूह ने आत्मघाती हमला कर दिया। जिसमें सुरक्षा बलों के तीन जवान मारे गए हैं, जबकि 10 घायल हो गए हैं। इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान नाम के आतंकवादी संगठन ने ली है। बतो दें कि बीते नवंबर के महीने में भी पाकिस्तान के मियांवली के एयरबेस पर फिदायीन हमला हुआ था। आत्मघाती हमलावरों सहित भारी हथियारों से लैस 9 आतंकी पंजाब के मियांवली स्थित पाकिस्तान वायु सेना के अड्डे में घुस गए थे। दोनों तरफ से जबरदस्त फायरिंग हुई, जिसमें एयरबेस के अंदर आग की भारी लपटें नजर आ रही हैं। बाद में सेना ने ऑपरेशन चलाकर सभी 9 आतंकियों को ढेर कर दिया। तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) के प्रवक्ता मुल्ला मुहम्मद कासिम ने मियांवली के एयरबेस पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है और दावा किया है कई आत्मघाती हमलावर भी इसमें शामिल हैं। हालांकि स्थानीय निवासियों ने हमले की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो फुटेज पोस्ट किए हैं। आतंकवादी समूह ने यह भी दावा किया है कि उसने बेस पर मौजूद एक टैंक को भी नष्ट कर दिया है। गौरतलब है कि मियांवली वही एयरबेस है जहां इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी के समर्थकों ने हमला कर दिया था। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने एयरबेस के बाहर एक विमान के ढांचे को आग भी लगा दी थी। इससे पहले दर में सुरक्षा बलों को ले जा रहे दो वाहनों पर भी आतंकवादी हमला हुआ था जिसमें कम से कम 14 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे।

कोविड से लोगों की मौत पर ऋषि सुनक ने मांगी माफी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कोविड के दौरान हुई मौतों को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने सोमवार को उन परिवारों से माफी मांगी, जिन्होंने कोविड-19 महामारी में अपने प्रियजनों को खो दिया। इसी के साथ उन्होंने इस सप्ताह शुरू हुई सार्वजनिक जांच में अपनी ओर से सबूत भी पेश किए। इसे अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने की उनकी रवांडा नीति पर संसद में होने वाले मतदान में संभावित विद्रोह को रोकने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। ब्रिटिश भारतीय नेता सुनक ने कहा कि उन्हें लोगों के जान गंवाने पर गहरा दुख है। ऋषि सुनक ने इस बात पर जोर दिया कि वह रचनात्मक स्पष्टवादिता की भावना से कोविड जांच के लिए अपने साक्ष्य देना चाहते थे ताकि जब 2020-21 में वह चांसलर थे तब उससे सबक सीखा जा सके। गौरतलब है ?कि कई बिंदुओं पर उन्होंने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में बोरिस जॉनसन के निर्णय लेने के दबाव का भी बचाव किया, और कहा कि पहली कोविड लॉकडाउन अवधि के चरम के दौरान वह अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति से भी अधिक अपने पूर्व 'बॉस' से मिले थे। ऋषि सुनक ने 'ईट आउट टू हेल्प आउट' योजना का भी मजबूती से बचाव किया जो अगस्त 2020 में ब्रिटेन के आतिथ्य उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उनकी ओर से शुरू की गई थी। हालांकि उस समय कोरोना वायरस की दूसरी लहर थी और इसके प्रभाव को लेकर उनकी काफी आलोचना भी हुई थी।

संबंध गहरे करने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग करेंगे वियतनाम की यात्रा

बैंकॉक। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग वियतनाम की यात्रा करने जा रहे हैं। मिली जानकरी के अनुसार अमेरिका और जापान के साथ राजनयिक संबंध गहरे कर रहे वियतनाम के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए चिनफिंग अपने पड़ोसी देश की यात्रा करेंगे। यह 2017 के बाद से वियतनाम की उनकी पहली यात्रा होगी। वियतनाम के विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा के दौरान शी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फु ट्रोंग, राष्ट्रपति वो वान थुओंग और प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से मुलाकात करेंगे। सिंगापुर में आईएसईएएस-यूसोफ इशाक इंस्टीट्यूट में कार्यरत गुयेन खाक गियांग ने कहा कि 'यह पश्चिम के साथ हनोई के बढ़ते संबंधों पर बीजिंग की चिंताओं को दर्शाता है। उसे चिंता है कि वियतनाम चीन विरोधी गठबंधन में शामिल हो सकता है।' गौरतलब है कि दक्षिण पूर्व एशिया में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिहाज से वियतनाम की रणनीतिक भूमिका बढ़ती जा रही है। वियतनाम वैचारिक रूप से चीन के करीब है। इस पर चीन से मजबूत संबंध रखने वाली कम्युनिस्ट पार्टी का शासन है लेकिन हाल के महीनों में वियतनाम ने पश्चिमी देशों के साथ निकट संबंधों का संकेत दिया है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका को चीन के समान राजनयिक दर्जा दिए जाने को चिह्नित करने के लिए सितंबर में वियतनाम का दौरा किया था। इसके अलावा जापान और वियतनाम ने 'स्वतंत्र और मुक्त हिंद प्रशांत' का जिक्र करते हुए नवंबर में अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को मजबूत किया तथा जापान को भी चीन और अमेरिका के समान राजनयिक दर्जा दिया गया।

कतर हमेशा के गाजा के साथ रहेगा और सहयोग करेगा

दोहा। इजरायल द्वारा गाजा पर की गई ताबड़तोड़ बमबारी से वहां के नागरिकों के सामने कई तरह की चुनौती खड़ी हो गई हैं। न तो रहने के लिए घर बचा है और न ही भोजन,पानी की कोई व्यवत्था है। ऐसे में उनका सहयोग करने के लिए कतर ने भरोसा दिलाते हुए कहा है कि गाजा का सहयोग कतर ने पहले भी किया और आगे भी करता रहेगा। कतर के विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा कि कतर गाजा को सहयोग जारी रखेगा, जैसा कि वह वर्षों से करता आ रहा है। अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने कहा, हम अपना जनादेश नहीं बदलने जा रहे हैं। हमारा जनादेश फिलिस्तीन के हमारे भाइयों और बहनों के लिए हमारी निरंतर सहायता और समर्थन है। हम इसे व्यवस्थित रूप से करना जारी रखेंगे जैसा हमने पहले किया था।कतर के विदेश मंत्री की टिप्पणी खाड़ी देश द्वारा हमास को वर्षों से किए जा रहे भुगतान को लेकर इजराइल में बढ़े गुस्से के खिलाफ आई है। एक डील के तहत क़तर हर महीने 15 मिलियन डॉलर की नकद मदद गाजा को करता है। नकद मदद से गाजा के सिविल सेवकों को भुगतान करने में मदद मिलती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 की तस्वीरों में कर्मचारी 100 डॉलर के बिल प्राप्त करने के लिए कतार में खड़े दिख रहे हैं।

इंग्लैंड में नाबालिग ने किया सिख पर जानलेवा हमला,गिरफ्तार

लंदन। लैंगली मेमोरियल पार्क से गुजर रहे इंद्रजीत सिंह पर लड़कों के एक समूह ने हमला किया। आरोपियों में से एक ने पीड़ित की दाढ़ी खींचने की कोशिश की और फिर सभी लड़कों ने उसे घेर लिया, उसे लात मारी और जमीन पर गिरा दिया। इस हमले में इंद्रजीत सिंह की तीन पसलियां टूट गईं और साथ ही उनके हाथ में भी सूजन आ गई है। पीड़ित को हमले के बाद इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और तब से छुट्टी दे दी गई है। उनकी स्थानीय गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा ने भी जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से हेट क्राइम की जांच में पुलिस की सहायता करने की अपील की है। दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के स्लो में एक ग्रुप के हमले में 50 वर्षीय एक सिख व्यक्ति घायल हो गया था। वहीं यूके पुलिस ने एक 14 वर्षीय लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। टेम्स वैली पुलिस ने कहा कि युवक को पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही और 21 नवंबर को हुए हमले से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए अपील भी की।स्लो पुलिस स्टेशन में तैनात डिटेक्टिव कॉन्स्टेबल हॉली बैक्सटर ने कहा कि हम ऑनलाइन या 101 पर कॉल करके रिपोर्ट करने के लिए इस मामले से जुड़ी जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं।

बुडापेस्ट, हंगरी में क्रिसमस मनाने और चैरिटी का समर्थन करने के लिए लोग 20वीं सांता स्पीडो रन में भाग लेते हुए।

डोनाल्ड टस्क बने पोलैंड के नए प्रधानमंत्री

वारसॉ। सेंट्रिस्ट पार्टी नेता डोनाल्ड टस्क को संसद में मतदान के बाद करीब एक दशक बाद फिर से पोलैंड के प्रधानमंत्री बने। यूरोपीय संघ के पूर्व नेता टस्क ने 2014 से 2019 तक यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। वह 2007 से 2014 तक पोलैंड के प्रधानमंत्री थे। सत्ता परिवर्तन को मध्य यूरोपीय राष्ट्र के 3.8 करोड़ नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 'लॉ एंड जस्टिस पार्टी' के खिलाफ लोगों के सामूहिक विरोध ने एक ऐसी सरकार को बदलने के लिए रिकॉर्ड मतदान किया, जो यहां के लोकतांत्रिक मानदंडों को नष्ट कर रही थी। लॉ एंड जस्टिस पार्टी 2015 से पोलैंड की सत्ता पर काबिज थी। पार्टी पर आरोप था कि इसने अदालतों और न्यायिक निकायों पर अपनी शक्ति बढ़ा दी है।

यूरोपीय संघ और अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल देश की न्यायिक स्वतंत्रता को नष्ट कर रहा है। संसद के 460 सीटों वाले निचले सदन में मतदान के दौरान टस्क के समर्थन में 248 वोट पड़े तथा उनके विरोध में 201 सांसदों ने वोट किया। जीत के बाद टस्क ने कहा, धन्यवाद पोलैंड, यह वास्तव में एक अद्भुत दिन है। उन्होंने कहा, न केवल मेरे लिए, बल्कि उन सभी के लिए जो इन कई वर्षों में गहराई से विश्वास करते थे... कि चीजें बेहतर होगी। टस्क, मंगलवार को संसद में अपना मंत्रिमंडल प्रस्तुत करने वाले हैं, तथा उन्हें नई सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करना है, जिसके बाद राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा द्वारा उन्हें बुधवार सुबह शपथ दिलाया जा सकता है।

हिजबुल्लाह ईरान समर्थित है फिर भी इजराइल उससे समझौता करने को तैयार

तेल अवीव (एजेंसी)। दुनिया को पता है कि ईरान और इजराइल एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते हैं। इसके बाद भी इजराइल ऐसे संगठन से समझौता करने को तैयार होता दिखाई दे रहा है जो ईरान का कट्टर समर्थक है। इस बात के संकेत खुद इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दिए हैं। गैलेंट ने कहा कि इजराइल हिजबुल्लाह के साथ भी समझौते के लिए तैयार है। हालांकि इसके साथ गैलेंट ने एक अगर भी जोड़ दिया। डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि समझौता तभी होगा जब लेबनान से लगे सीमा को सेफ जोन बनाया जाए और दूसरी सुरक्षा की गारंटी भी दी जाए। इजराइली मंत्री ने समक्षौते को लेकर ज्यादा जानकारी देने से हालांकि फिलहाल मना कर दिया।हिजबुल्ला को ईरान का समर्थक माना जाता है और ईरान-इजराइल के बीच संबंध कितने तल्ख हैं, ये बात किसी से छुपी नहीं है। एक अन्य बयान में इजराइल के मंत्री बेनी गेंट्ज ने कहा है कि उन्होंने हिजबुल्ला को लेकर एक बड़े अमेरिकी राजनयिक से बात की है। बेनी गेंट्ज ने अमेरिकी राजनयिक एंटनी ब्लिंकेन से कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लेबनान की सरकार हिजबुल्ला पर दबाव बनाए और वह इजराइल पर होने वाले हिजबुल्ला के हमलों को रोके। इजराइल का कहना है कि उसके उत्तरी क्षेत्र की आबादी हिजबुल्ला के हमलों के साये में जी रही है। बेनी गेंट्ज ने अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट से हिजबुल्ला पर लगाम लगाने की मांग की है।

वहीं दूसरी तरफ लेबनान को लेकर अमेरिकी

रुख पर भी पिछले दिनों बड़ी अजीबोगरीब स्थिति रही। हुआ ये कि पिछले हफ्ते अमेरिका ने कहा दिया कि वह इजरायली हमलों में लेबनानी फोर्स के एक सैनिक के मारे जाने और कुछ के घायल होने की खबरों से चिंतित है। फिर इजराइली को इस पर बयान जारी करना पड़ा। इसके अलावा लेबनान को लेकर एक अमरिकी अधिकारी ने कह दिया कि लेबनान की फोर्स न सिर्फ लेबनान के लिए बल्कि पूरे इलाके के लिए जरूरी है। अमेरिका ने लेबनान और उसके अधिकारियों को भी साफ तौर पर कह दिया है कि उसे इजराइल के खिलाफ हमलों का लांचपैड नहीं बनना चाहिए।

इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच सीमा के आस पास के इलाकों में रह-रह कर झड़पें होती रहती हैं। कल हाल ही में इजराइली आर्मी और हिजबुल्ला के बीच गोलीबारी हुई। इजराइली बमबारी में सोमवार को दक्षिण लेबनान के एक स्थानीय अधिकारी की मौत हो गई। 7 अक्टूबर को इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ही लेबनान और इजराइल के सीमा पर गोलीबारी तेज हो गई है। लगातार इस तरह की आशंका है कि कहीं ये संघर्ष गाजा की तरह भयावह न हो जाए। एक रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर के बाद से जारी संघर्ष में कम से कम 120 लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर मरने वाले हिजबुल्लाह के लड़ाके हैं। वहीं करीब 17 नागरिकों की भी जान गई है। वहीं इजराइल का कहना है कि लेबनान से सटे उत्तरी इजराइल में उसके छह सैनिक जबकि चार नागरिकों की जानें गई है।

बाइडेन और नेतन्याहू के बीच मतभेद, यहूदी हनुक्का उत्सव में किया खुलासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद उभरकर सामने आ रहे है। ये बात खुद बाइडेन ने स्वीकार की। उन्होंने नेतन्याहू के साथ अपने जटिल संबंधों की ओर इशारा करते हुए कहा कि पीएम एक मुश्किल स्थिति में हैं और दोनों के बीच वर्षों से और वर्तमान में मतभेद हैं। दरअसल बाइडेन यहां यहूदी हनुक्का उत्सव के लिए व्हाइट हाउस के एक स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नेतन्याहू के साथ अपने दशकों पुराने संबंधों को भी याद किया। उन्होंने नेतन्याहू का उपनाम लेते हुए कहा, मेरा आपके प्रति स्नेह है। लेकिन मैं तुम्हारी एक बड़ी बात से सहमत नहीं हूं जो तुम्हें कहना पड़ी। बाइडेन ने आगे कहा कि आज भी लगभग वैसा ही है। इजरायल एक मुश्किल स्थिति में है और कुछ इजरायली नेतृत्व के साथ मेरे मतभेद हैं। उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि दोनों के बीच क्या मतभेद हैं। हालांकि हाल के हफ्तों में उन्होंने हमास के खिलाफ मौजूदा युद्ध और फिलिस्तीनियों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दों को उठाया है और आपत्ति जताई है। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में छुट्टियां मना रहे यहूदी लोगों से कहा कि इजरायली नेतृत्व के साथ मतभेदों को छोड़कर स्वतंत्र यहूदी राज्य और इजरायल की सुरक्षा के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अटल है।

उन्होंने आगे कहा कि दोस्तों, अगर इजराइल नहीं होता तो दुनिया में कोई भी यहूदी सुरक्षित नहीं होता। जब तक हमास को बाहर नहीं कर दिया जाता, तब तक इजराइल को सहायता जारी रहेगी, लेकिन चेतावनी दी कि इजराइल की सुरक्षा के लिए जनता की राय गंभीर तरीकों से बदल सकती है। बाइडेन ने कहा, हमें सावधान रहना होगा। उन्हें सावधान रहना होगा। पूरी दुनिया की जनमत रातों-रात बदल सकती है। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। बाइडेन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका गाजा में अभी भी बंधकों को मुक्त कराने, फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता में तेजी लाने और नागरिक जीवन की रक्षा करने की जरूरत पर काम करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, यहूदी समुदाय के प्रति जुड़ाव निर्विवाद है।

पुतिन के विरोधी एलेक्सी नवलनी जेल से हुए लापता, सूची से नाम भी गायब

मास्को (एजेंसी)। राष्ट्रपति पुतिन के धुर विरोधी एलेक्सी नवलनी के जेल से लापता होने के समाचार मिल रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने बताया कि जेल प्रशासन ने वकीलों को उनसे नहीं मिलने दिया और कहा कि वह जेल में नहीं हैं। इसके साथ ही जेल की सूची से भी उनका नाम हटा दिया गया है।

गौरतलब है कि पुतिन के मुखर आलोचक को पहले भी जान से मारने की कोशिश हो चुकी है। विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी के लापता होने की खबर ने सकते में डाल दिया है। एलेक्सी के प्रवक्ता के मुताबिक, उनके वकीलों ने करीब एक सप्ताह से उनकी आवाज नहीं सुनी है और कैदियों की लिस्ट से भी उनका नाम गायब है। मॉस्को में कैद एलेक्सी को चरमपंथी समुदाय बनाने और उन्हें पोषित करने समेत अन्य अपराधों में दोषी पाए जाने के बाद इसी साल अगस्त में 19 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। नवलनी के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि बार-बार प्रयास करने के बावजूद वकील जेल में बंद नेता से नहीं मिल पाए और उन्हें सूचित किया गया है कि वह जेल में नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर आरोप लगाया कि कैदियों की सूची में एलेक्सी

नवलनी का नाम अब नहीं है।

हालांकि वकीलों ने आईके-6 और आईके-7 में जाने की कोशिश की, जहां वह पहले कैद थे, लेकिन उन्हें बताया गया कि वो अब वहां नहीं हैं और उन्हें नहीं पता कि इस समय एलेक्सी कहां हैं। यारमिश ने एक्स पर लिखा, उन्हें आईके-6 और आईके-7 ने कोई जवाब नहीं दिया। नवलनी बीते छह दिनों से लापता थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने ये भी नहीं बताया कि उन्हें कहां ट्रांसफर किया गया था। मीडिया में आई खबर के हवाले से कहा गया कि जेल में बंद रूसी नेता को गंभीर स्वास्थ्य संबंधी घटना का सामना करना पड़ा है। बता दें कि एलेक्सी नवलनी पहले ही धोखाधड़ी और अन्य आरोपों को लेकर 11.5 साल की सजा काट रहे थे, जिन्हें उन्होंने निराधार बताया था। उन्हें आखिरी बार आईके-6 पीनल कॉलोनी में कैद किया गया था।

कोविड का रुप निकला चीन का नया वायरस

बीजिंग (एजेंसी)। चीन का नया वायरस पहले ही यूरोप में दस्तक दे चुका है। डेनमार्क और नीदरलैंड में लगातार मामले बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर रख रहा है और उसने चीन से और ज्यादा जानकारी मुहैया कराने के लिए कहा है। मिरर ने यूके मेडिकल साइंस और चेस्टर मेडिकल स्कूल के प्रोग्राम लीड डॉक्टर गैरेथ नी के हवाले से लिखा है कि यह स्थिति कोविड-19 जैसी कोई नई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक और कोविड वायरस हो सकता है।

चीन में पिछले कुछ दिनों से एक और वायरस ने हंगामा मचा कर रख दिया है। यूके के एक टॉप डॉक्टर ने कहा हे कि चीन में फैल रही निमोनिया की रहस्यमय लहर कोविड का ही एक स्वरूप है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यह कोई नया वायरस नहीं है और फिलहाल घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हाल के कुछ हफ्तों में देश के अस्पताल बीमार बच्चों से भर गए हैं। ऐसी आशंकाएं हैं कि यह बीमारी चीन की सीमा के बाहर फैल सकती है, जो कोरोनोवायरस

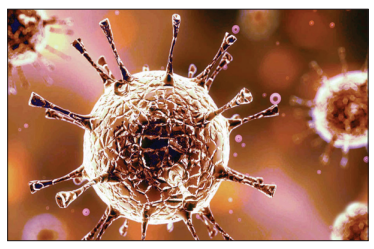

महामारी के शुरुआती दिनों की याद दिलाती है। कई जगहें ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं कि भारत जैसे आसपास के देश इस बीमारी से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।विशेषज्ञों के मुताबिक यह सच लगता है कि चीन में खासतौर पर बच्चों में सांस से जुड़ी बीमारियों में इजाफा हो रहा है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कोई नई बीमारी नहीं है, जैसे कि कोविड-19 थी। यह केवल उन बीमारियों में इजाफा है जिनके बारे में लोग पहले से ही जानते हैं। यानी एक और कोविड वायरस SARS-CoV2, इन्फ्लूएंजा, बैक्टीरिया जो निमोनिया और सिंकाइटियल वायरस का कारण बनता है। चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड बच्चों में निमोनिया के प्रकोप की रिपोर्ट करने वाले नए देशों में शामिल हो गए हैं। इनफेक्शन डिजीज न्यूज ब्लॉग एवियन फ्लू डायरी पर एक पोस्ट से पता चला है कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण महामारी के स्तर तक पहुंच गया है।

डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट ने तो इसे महामारी बता डाला है। इसमें वृद्धि नीदरलैंड ने अगस्त के बाद से बच्चों और युवाओं में निमोनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। नीदरलैंड इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ सर्विसेज रिसर्च (एनआईवीईएल) के अनुसार, पिछले सप्ताह 5 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक एक लाख बच्चों में से 103 को निमोनिया का सामना करना पड़ा। 26 नवंबर को चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में इजाफा फ्लू और बाकी ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नये वायरस के कारण। चीन में सांस से संबंधी बीमारियों ने डब्ल्यूएचओ का ध्यान आकर्षित किया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के रामास्वामी को जान से मारने की धमकी

कॉनकॉर्ड,अमेरिक। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकाने वाले ने कहा है कि उनकी सिर में गोली मारकर हत्या करेंगे। हालांकि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। एफबीआई एजेंट के अनुसार अभियान कर्मचारियों को आरोपियों की तरफ से दो धमकी भरे मैसेज मिले थे। एक में ने उम्मीदवार विवेक रामास्वामी को सिर में गोली मारने की धमकी दी गई थी तो दूसरे मैसेज में कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को भी मौत के घाट उतारने की धमकी दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार संघीय अभियोजकों ने कहा कि न्यू हैम्पशायर के एक व्यक्ति पर सोमवार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को जान से मारने की धमकी देने वाले मैसेज भेजने का आरोप लगाया गया है। वहीं, अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का नाम नहीं बताया। हालांकि, रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि वह धमकी भरा मैसेज हमारे चुनावी कार्यक्रम के अंतर्गत ही था। डोवर शहर का रहने वाला 30 वर्षीय टायलर एंडरसन को गिरफ्तार किया गया और उन पर अंतरराज्यीय वाणिज्य का उपयोग करके धमकी भरे मैसेज भेजने का आरोप लगाया गया।

फ्रांस सरकार बंद करने जा रहीं देश का सबसे बड़ा मुस्लिम स्कूल

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस का सबसे बड़ा मुस्लिम स्कूल जिसमें 8 सौ छात्र पढ़ाई कर रहे हैं उसे फ्रांस सरकार बंद करने जा रही है। यहां पढ़ने वाले छात्र फ्रांसीसी पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ धार्मिक क्लासेस भी लेते हैं। हालांकि आंतरिक मंत्रालय के स्थानीय कार्यालय का कहना है कि एवरोज स्कूल प्रशासनिक और वित्तीय कमियों से जूझ रहा था। स्कूल में पढ़ाई भी फ्रांसीसी रिपब्लिकन मूल्यों के मुताबिक नहीं हो रही थी। वहीं एवरोज स्कूल के प्रिंसिपल एरिक डुफोर का कहना है कि अनुबंध खत्म करने को लेकर फिलहाल कार्यालय से उनके पास कोई नोटिस नहीं आया है न ही कोई जानकारी मिली है। प्रिंसिपल ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो स्कूल प्रशासन कोर्ट में मामले के खिलाफ कोर्ट का रुख कर इसे चुनौती देगा। उन्होंने कहा कि एवरोज स्कूल रिपब्लिकन मूल्यों के आधार पर दूसरे स्कूलों के मुकाबले ज्यादा बेहतर काम करता है।

हालांकि प्रिंसिपल एरिक ने ये भी कहा कि पिछले महीने नवंबर में हुई एक शिक्षा समिति की बैठक के दौरान उन्हें अहसास हो गया था कि फ्रांस एवरोज स्कूल के साथ अपना कॉन्ट्रेक्ट खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय मदद के बिना स्कूल चलाना मुश्किल बेहद मुश्किल होगा। स्कूल को अपनी जरूरतों को पूरा करने में काफी परेशानी होगी। ऐसे में उन्हें बच्चों की फीस बढ़ानी होगी जिसका असर सीधा उनके परिवार पर पड़ेगा। बताया जा रहा है कि

फ्रांस अपने सबसे बड़े मुस्लिम हाई स्कूल के साथ अनुबंध समाप्त करने जा रहा है। फ्रांस ने ये फैसला प्रशासनिक विफलताओं और संदिग्ध शिक्षा की नीतियों के आधार पर लिया है, जिसके तहत अब निजी एवरोज मुस्लिम हाई स्कूल को मिलने वाली वित्तीय मदद देना बंद कर दी जाएगी।कुछ समूहों का कहना है कि फ्रांस सरकार का ये फैसला मुसलमानों पर व्यापक कार्रवाई है। एवरोज स्कूल फ्रांस में 2003 से उत्तरी शहर लिले में है। ये यहां का पहला मुस्लिम हाई स्कूल है, जिसमें करीब 800 से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं। स्कूल के साथ राज्य का 2008 से अनुबंध है। यहां पढ़ने वाले सभी छात्र फ्रांसीसी पाठ्यक्रम का पालन करते हैं, इसके साथ ही

धार्मिक क्लासेस भी लेते हैं। हालांकि आंतरिक मंत्रालय के स्थानीय कार्यालय का कहना है कि एवरोज स्कूल प्रशासनिक और वित्तीय कमियों से जूझ रहा था। स्कूल में पढ़ाई भी फ्रांसीसी रिपब्लिकन मूल्यों के मुताबिक नहीं हो रही थी। वहीं कार्यालय ने अनुबंध खत्म करने के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख, संजय राउत के खिलाफ केस

यवतमाल । शिवसेना के मुखपत्र सामना में पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख के लिए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पार्टी के मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक लेख लिखने के आरोप में यवतमाल पुलिस ने शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राउत के खिलाफ बीजेपी यवतमाल के संयोजक नितिन भुटाडा ने शिकायत दर्ज करा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राउत अखबार सामना के कार्यकारी संपादक हैं। अपनी शिकायत में बीजेपी नेता ने दावा किया कि राउत ने 11 दिसंबर को पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखा था। राउत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153 (ए) (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 505 (सार्वजनिक शरारत पैदा करने वाले बयान) (2) और 124 (ए) (नफरत या अवमानना ??का प्रयास) विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और अन्य अपराधों के लिए उमरखेड़ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, मेरे खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, क्योंकि मैंने प्रधानमंत्री के खिलाफ बोला था। देश में अभी भी लोकतंत्र है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला को तलाक मामले में दिया झटका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तलाक मामले में झटका दिया। दिल्ली की अदालत ने नेशनल कॉन्फ्रेंस लीडर से अलग रह रहीं पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक की मांग वाली याचिका खारिज की। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पारिवारिक अदालत की ओर से पारित आदेश में कोई खामी नहीं है और क्रूरता के लगाए गए आरोप भी साफ नहीं हैं। जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विकास महाजन की बेंच ने कहा, फैमिली कोर्ट के आदेश में कोई खामी नहीं। क्रूरता के आरोप अस्पष्ट हैं। इसके पहले, दिल्ली हाईकोर्ट ने उमर को अंतरिम भरण-पोषण के रूप में पायल को हर महीने 1.5 लाख रुपये देने का निर्देश दिया था। साथ ही उन्हें अपने दोनों बेटों की पढ़ाई-लिखाई के लिए हर माह 60,000 हजार का भुगतान करने को कहा था। अदालत का फैसला पायल और दंपति के बेटों की ओर से दायर याचिकाओं पर आया था। इसमें निचली अदालत के 2018 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जहां लड़कों के वयस्क होने तक क्रमश : 75,000 रुपये और 25,000 रुपये का अंतरिम गुजारा भत्ता देने का निर्देश था। उमर ने हाईकोर्ट में कहा था कि वह बच्चों के भरण-पोषण का अपना कर्तव्य निभा रहे हैं, मगर उनकी पत्नी अपनी वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपा रही हैं। इस पर अदालत ने कहा कि बेटे के वयस्क होने तक पिता को बच्चों के भरण-पोषण और शिक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकते। साथ ही पालन-पोषण के खर्च का बोझ केवल मां पर ही नहीं डाला जा सकता है।

अल नीनो के कारण भारत में इसबार सर्दी हुई कम

नई दिल्ली । साल 2023 भारत में मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और इसका कारण अल नीनो को बताया जा रहा है। भारतीय मानूसन केवल भारत में होने वाली भौगोलिक प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि यह हिंद महासागर और यहां तक कि प्रशांत महासागर की गतिविधियों से भी प्रभावित होता है। इसके बाद प्रशांत महासागर में हर कुछ साल में दिखने में अल नीनो का प्रभाव मानसून को प्रभावित करे तब हैरान होने की बात नहीं लगती है। जहां भारत में सर्दियों ने दिसंबर के पहले सप्ताह तक भी जोर नहीं पकड़ा है, बताया जा रहा है कि इस साल ठंड की इस पूरी प्रक्रिया पर अल नीनो का प्रभाव होगा। भारत में सर्दी का मौसम बहुत कुछ हिमालय के प्रदेशों में बर्फबारी से प्रभावित होता है, इस पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बाधित भी करता है और सर्दियों को बढ़ाने में भी योगदान देता है। पश्चिम से चलने वाली हवाएं भारत के उत्तर और उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश का माहौल बनाती हैं, जिससे हिमालय में बर्फबारी होती है और उससे ठंडी हवाएं उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को और अधिक ठंडा करने लगती हैं। अल नीनो प्रशांत महासागर में असामान्य रूप से गर्म पानी के जलवायु प्रभाव का नाम है। यह एक स्पेनिश भाषा का शब्द है जो दक्षिण अमेरिका के मछुआरों ने दिया है इसका मतलब छोटा लड़का होता है। इस प्रभाव की वजह से व्यापारिक पवनें कमजोर हो जाती हैं और यह गर्म पानी अमेरिकी महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों की तरफ जाने लगता है। इससे प्रशांत महासागर में चलने वाले हवाएं दक्षिणी की ओर होने जाने लगती है। अल नीनो की वजह से बताया जा रहा है कि इस साल उत्तरी गोलार्द्ध में भीषण गर्मी पड़ी थी। लेकिन भारत में इसका असर नहीं दिखाई दिया क्योंकि इसने प्रभाव दिखाना ही करीब जुलाई के महीने में शुरू किया था जब भारत में मानसून का मौसम चल रहा था। इसकारण इसका असर भारत के मानसून पर तब पड़ा, लेकिन गर्मी पर नहीं पड़ा। पर यूरोप और उत्तरी अमेरिका में इसका असर जरूर दिखा। गौर करने वाली बात यह है कि जहां मौसम विभाग का कहना है कि सर्दी के बाकी मौसम में ना केवल न्यूनतम तापमान ज्यादा कम नहीं होगा, बल्कि ठंड का मौसम भी इस साल छोटा ही रहेगा। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में जाकर ठंड का जोर पकड़ने के संकेत मिलना यहीं बताता है। अल नीनो का असर हर दो से सात साल में होता है। माना जाता है कि यह जलवायु परिवर्तन के कारण होता है। इसके अलावा एक और प्रभाव भी प्रशांत महासागर के इन्हीं इलाकों में होता है जिसे ला नीनो कहते हैं और यह अल नीनो के ठीक विपरीत होता है और भारत में इससे ठंड बढ़कर तीखी हो जाती है। लेकिन अल नीनो ला नीनो का असर की तुलना में ज्यादा बार देखने को मिलता है।

महुआ मोइत्रा को आधिकारिक बंगला खाली करने का निर्देश, 30 दिन के अंदर खाली करे

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों पर लोकसभा से निष्कासित करने के कुछ दिनों बाद, संसद की आवास समिति ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर टीएमसी नेता को अपना आधिकारिक बंगला खाली करने का निर्देश आया हैं। जानकारी के मुताबिक महुआ को 30 दिन में सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है। मोइत्रा को 8 दिसंबर को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था, जब सदन ने अपनी आचार समिति की रिपोर्ट को अपनाया था, जिसमें उन्हें संसद में प्रश्न पूछने के लिए एक कारोबारी से उपहार और अवैध संतुष्टि स्वीकार करने का दोषी ठहराया गया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दायर शिकायत पर शुरू की गई आचार समिति की जांच में मोइत्रा को अनैतिक आचरण और अपनी लोकसभा वेबसाइट लॉगिन क्रेडेंशियल अनधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा करके सदन की अवमानना का दोषी पाया गया। पैनल ने कहा कि इस तरह के कृत्यों का राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपरिवर्तनीय प्रभाव पड़ता है। निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर उपहार के बदले कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर अडानी समूह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप लगाया। महुआ ने अपने निर्वाचन क्षेत्र कृष्णानगर सीट के लोगों के लिए एक संदेश देकर कहा कि वह कथित अन्याय के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगी और इस लेकर उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। पहली बार लोकसभा के लिए चुनी गईं मोइत्रा को शुक्रवार को सदन से निष्कासित कर दिया गया था। लोकसभा की आचार समिति ने उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जिसमें मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' का जिम्मेदार माना गया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पास आया एक धमकी भर कॉल बेंगलुरु पुलिस की उड़ी नींद

बेंगलुरु । कर्नाटक के राज्यपाल का आवास एक गुमनाम कॉल के बाद अधिकारियों के रडार पर आ गया, जिसमें धमकी दी गई थी कि अंदर बम रखा हुआ है। हालाँकि, खोजबीन के बाद, पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि कॉल संभवत: एक धोखा थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नियंत्रण कक्ष में फोन आया और दावा किया गया कि बम किसी भी समय फट सकता है, जिससे अधिकारी सकते में आ गए। बेंगलुरु पुलिस विभाग को तुरंत संपर्क कर साइट पर भेजा गया। पुलिस ने राज्यपाल के आधिकारिक आवास की तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने पता लगाया है कि कॉल बीदर जिले से की गई थी, जो पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के साथ सीमा साझा करता है। हालांकि, अपराधी का पता लगाने की कोशिश हो रही है। बेंगलुरु के पश्चिम डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शेखर एच टेककन्नावर ने कहा कि एनआईए नियंत्रण कक्ष को आधी रात में एक गुमनाम कॉल मिली जिसके बाद बेंगलुरु पुलिस सतर्क हुई। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। हम मामले की जांच कर रहे हैं। अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत उस वक्त बेलगावी में थे और उन्हें कोई खतरा नहीं था। राजभवन के अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला कि कॉल बीदर से की गई थी।

पाक से नापाक संदेश-कश्मीर में तबाही मचा दो,

आतंकियों के निशाने पर आ गए भाजपा के दिग्गज नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर में कोई भी हलचल होती है तो धड़कने पाकिस्तान की बढ़ जाती हैं। फिर वही कायरना हरकतों पर उतर आता है। कश्मीर में चुनावी सुगबुगाहट से पहले ही आतंकी संगठन दहशत में आ गए है। आतंकियों ने कश्मीर को दहलाने की धमकी दी है। इसके बाद भारतीय खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई और उन्होनें सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के भाजपा नेताओं को आतंकी निशाना बना सकते हैं। इसके चलते उनकी सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया जा सकता है। खुफिया दस्तावेजों के मुताबिक पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के हैंडलर्स ने जम्मू कश्मीर में मौजूद आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा समेत तमाम आतंकवादी संगठनों को निर्देश दिया है कि वह आने वाले चुनाव के पहले कश्मीर में तबाही फैला दें। निर्देश के तहत उन्हें कहा गया है की विशेषकर वे कश्मीरी लीडर्स और कार्यकर्ता तथा अन्य लोग जो आने वाले चुनाव में भाग लेना चाहते हैं, उनको अपना निशाना बनाएं। पाकिस्तान में बैठे इन हैंडलर्स ने स्पष्ट कहा है की खास तौर पर भाजपा के लोगों को चुन-चुन कर निशाना बनाया जाए। पाकिस्तानी प्रशासन की सोच है कि यदि एक बार जम्मू कश्मीर में तबाही का मंजर बनेगा तो स्थानीय लोग और स्थानीय नेता आने वाले चुनाव का बायकॉट करेंगे।

दिलचस्प है कि आतंकवादी संगठन चुनाव में भाग लेने वाले कश्मीरी नेताओं को भी अपना निशाना बनाना चाहते हैं। जबकि उनमें से कुछ नेता उनके लिए जम्मू कश्मीर में खुलकर और छिपकर दोनों तरीकों से उनका साथ देने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही भाजपा के लोगों को इसलिए निशाना बनाने को कहा गया है। क्योंकि पाकिस्तान सरकार को लगता है कि यह राजनीतिक पार्टी जम्मू कश्मीर में चुनाव होने के लिए बड़े पैमाने पर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को जम्मू कश्मीर भेजेगी। खुफिया एजेंसियों के अलर्ट के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने इन आतंकवादियों का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए कमर कस ली है। वहीं स्थानीय खुफिया एजेंसियों को कहा गया है कि वह आतंकवादियों के शरणदाताओं की पहचान करें, जिससे आतंकवादियों को छुपाने का मौका ना मिल सके।

मोदी सरकार सबसे झूठी : रघुराम राजन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक किताब लिखी है। इस किताब का नाम ब्रेकिंग द मोस्ट है। यह बुक इन दिनों बड़ी चर्चा में है।पूर्व गवर्नर ने मोदी सरकार को सबसे झूठी सरकार,इस पुस्तक में बताया है। रघुराम राजन ने कोरोना की बीमारी में आंकड़ों को छुपाते हुए बहुत कम लोगों की मौत का आंकड़ा देने के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। रघुराम राजन का कहना है, कि भारत सरकार ने 5 लाख 60 हजार मौत होना बताया है। जबकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में 50 लाख से अधिक लोंगो की मौत हुई है। रघुराम राजन ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आंकड़ों में हेरा फेरी की जा रही है। वास्तविकता से उलट दिखाया जा रहा है। भारत सरकार ने समय रहते यदि अपनी आर्थिक पॉलिसी को नहीं बदला, तो भारत बहुत बड़े आर्थिक संकट में फंसने जा रहा है। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री के पद पर जब डॉक्टर मनमोहन सिंह थे।तब रघुराम राजन ने रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभाला था। आर्थिक सुधारो को लेकर उन्होंने बहुत काम किया। मोदी सरकार के आने के बाद उनके और सरकार के बीच में मतभेद सामने आए। उसके बाद वह इस्तीफा देकर चले गए। राहुल गांधी का इंटरव्यू भी बाद में विवाद का विषय बना। रघुराम राजन ने जिस तरीके से किताब में आर्थिक स्थिति को लेकर खुलासा किए हैं। इससे यह किताब और रघुराम राजन दोनों ही चर्चाओं में आ गए हैं।

दिग्विजय सिंह ने केंद्र पर बोला बड़ा हमला- कहा

जम्मू-कश्मीर स्थानीय लोगों को दरकिनार कर निरंकुशता हावी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर में स्थानीय लोगों को नजरअंदाज कर रही है। वहां एक निरंकुश प्रशासन काम कर रहा है। संवेदनशील मामले को बहुत असंवेदनशील तरीके से संभाला जा रहा है और स्थानीय लोग पिछले चार वर्षों से प्रतिनिधित्व विहीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय लोगों की इच्छा को नजरअंदाज किया जा रहा है और सरकार राज्य के बाहर से लाए गए अधिकारियों के जरिए निरंकुश तरीके से काम कर रही है। सिंह ने यह बात राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर से संबंधित दो विधेयकों पर बहस के दौरान कही।

जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर बहस में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि वह विस्थापित लोगों के लिए आरक्षण के पक्ष में रहे हैं, लेकिन इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। क्या वहां के स्थानीय लोगों के लिए मौजूदा आरक्षण को कम किया जाएगा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं। सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की नजरबंदी का कारण भी जानना चाहा, जैसा कि उन्होंने दिन में दावा किया था। हालांकि, शाह ने तुरंत कहा कि वहां कोई भी नजरबंद नहीं है।शाह ने कहा, एल-जी ने सुबह ही इस पर स्पष्टीकरण दे दिया है। वह जहां चाहें जा सकती हैं। हम सुरक्षा भी प्रदान करेंगे।

इसके बाद सिंह ने फिर से जवाब में कुछ टिप्पणियां कीं, जिससे सत्ता पक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि यह गलत आरोप है। इसके तुरंत बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने सिंह की टिप्पणियों को यह कहते हुए रिकार्ड से हटाने का निर्देश दिया कि यह व्यक्तिगत टिप्पणी और पूर्वाग्रहपूर्ण थी। कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा, नेहरू जी की कैबिनेट के फैसले के कारण ही जम्मू-कश्मीर हमारे देश में है। कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने कहा, अमित शाह जी ने कहा था- जैसे ही जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य हो जाएंगे, हम वहां चुनाव कराएंगे और इसे राज्य का दर्जा देंगे। मैं उन्हें याद दिलाना चाहूंगी कि ऐसा हुए 4 साल हो गए हैं,.लेकिन आज तक न तो वहां हालात सामान्य हो पाए हैं और न ही उसे राज्य का दर्जा मिल सका है। उच्च सदन की मंजूरी के बाद दोनों विधेयक सोमवार शाम को संसद द्वारा पारित कर दिए गए।

सिंह ने कहा, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह जी और पूरी भाजपा अपने-अपने तरीके से इतिहास को विकृत करने की कोशिश करती है। लेकिन आज अगर जम्मू-कश्मीर और विशेषकर कश्मीर घाटी हमारी है, तो इसका पूरा श्रेय पंडित (जवाहरलाल) नेहरू जी और शेख अब्दुल्ला जी को जाता है। उन?होंने कहा, जम्मू-कश्मीर का मुद्दा संवेदनशील है, लेकिन आज राज्य में निरंकुशता है और वहां के निवासियों से कोई सलाह नहीं ली जा रही है, उनकी भावनाओं की अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा अचानक छीन लिया गया और अब केंद्र सरकार इसे बहाल करने का प्रस्ताव दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का मामला संवेदनशील है और हमें वहां के हालात को समझने की जरूरत है।

जब पीएम मोदी के साथ थे, तब नहीं की बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग: पीके

पटना (एजेंसी)। पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दरभंगा में अपनी जन सुराज यात्रा के दौरान विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। पीके ने कहा कि जब नीतीश प्रधानमंत्री मोदी के साथ थे, तब उन्होंने विशेष राज्य का दर्जा देने के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने कहा कि जेडीयू नेता संसद में मोदी को महामानव बता रहे थे। तब नीतीश ने यह मुद्दा नहीं उठाया। हालाँकि, जैसे ही नीतीश महागठबंधन में शामिल हुए, उनके सुर बदले और अब वे विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं।

साथ ही प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी भी की है। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद नीतिश कुमार की जदयू खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नीतीश की राजनैतिक सियासत का यह आखिरी दौर है। उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार को कौन पूछ रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री हैं, इसकारण मीडिया में कभी-कभी आ जाते हैं। नीतीश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी पुरानी मांग फिर दोहराया। शाह की अध्यक्षता में यहां पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक रविवार को पटना में हुई थी।

नीतीश ने कहा कि राज्य में सर्वसम्मति से कराए गए जाति आधारित गणना के आंकड़ों के आधार पर समाज के सभी कमजोर वर्गों के सामाजिक उत्थान के लिए आरक्षण में इनकी भागीदारी बढ़ाने का निर्णय लिया गया था जिसमें सभी भाजपा सहित विभिन्न पार्टियों की सहमति थी। उन्होंने कहा, राज्य में आरक्षण की सीमा 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके लिए कानून पारित हो गया है। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए पहले से ही 10 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध है। सभी को मिलाकर कुल आरक्षण 75 प्रतिशत हो गया है।

फातिमा की पोस्टिंग सियाचिन ग्लेशियर पर, रचा इतिहास

-15 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात होने वाली पहली मेडिकल ऑफिसर बनीं फातिमा वसीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सियाचिन योद्धाओं की कैप्टन फातिमा वसीम की सियाचिन ग्लेशियर पर पोस्टिंग की गई है। एक ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनकर उन्होंने एक इतिहास रचने जैसा काम भी कर दिया है।

भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने कैप्टन फातिमा वसीम को इंगित करते हुए सोशल मीडिया एक पोस्ट किया है। इसमें लिखा है, कि उन्हें सियाचिन बैटल स्कूल में कठोर प्रशिक्षण के बाद 15 हजार, 200 फीट की ऊंचाई पर एक पद पर शामिल किया गया था, जो उनकी अदम्य भावना और उच्च प्रेरणा को दर्शाता है। इसके साथ ही कैप्टन फातिमा की उपलब्धि को रेखांकित करने और इसका जश्न मनाने के लिए पोस्ट में एक वीडियो भी साझा किया गया है। जानकारी अनुसार फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स को आधिकारिक तौर पर 14वां कॉर्प्स कहते हैं, जिसका हेडक्वार्टर लेह में स्थित है। इनकी तैनाती चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर होती है और साथ ही ये सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करते हैं।

कैप्टन गीतिका रहीं स्नो लेपर्ड ब्रिगेड की पहली मेडिकल ऑफिसर

मौजूदा माह के प्रारंभ में, सियाचिन बैटल स्कूल में इंडक्शन ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद, स्नो लेपर्ड ब्रिगेड की कैप्टन गीतिका कौल दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में तैनात होने वाली भारतीय सेना की पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बनीं। जानकारी अनुसार 5 दिसंबर को स्नो लेपर्ड ब्रिगेड की कैप्टन गीतिका कौल की पोस्टिंग पहली महिला मेडिकल ऑफिसर के तौर पर की गई थीं। उन्हें सियाचिन की बैटलफील्ड पर तैनात किया गया। कैप्टेन गीतिका ने अपनी तैनाती को लेकर सेना के प्रति आभार भी जताया था।

कांग्रेस नेता शशि थरूर का बयान, इंडिया गठबंधन में पैदा कर सकता रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की कार का घेराव कर उस पर हमला करने के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता शशि थरूर की टिप्पणी इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ा सकती है। आरिफ मोहम्मद खान ने घटना को लेकर सीएम पिनराई विजयन पर हमला बोलकर कहा था कि मुझे मारने के लिए इन लोगों को भेजा गया था। अब थरूर ने टिप्पणी करके गवर्नर खान की बात का समर्थन कर कहा कि उनकी बात सही है और उनके डर को समझा जा सकता है। अब कांग्रेस नेता थरुर की यह टिप्पणी इंडिया गठबंधन के अहम घटक सीपीएम को चुभ सकती है।

थरूर ने कहा, एसएफआई के गुंडों ने गवर्नर खान की कार को रोक कर और उस पर हमला कर अपमानजनक व्यवहार किया। उनका डर पूरी तरह से

समझा जा सकता है। कम्युनिस्ट शासन में पुलिस कानून व्यवस्था को बर्बाद करने की एजेंट बनी हुई है। पुलिस ने गवर्नर पर हमले की परमिशन दी। इसके अलावा सीएम के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बदसलूकी की गई। यह शर्मनाक है। इस तरह कम्युनिस्ट छात्र संगठन के लोगों को गुंडा बताने से सीपीएम भड़क सकती है।

दरअसल सोमवार को एसएफआई के सदस्यों ने गवर्नर की कार का पीछा कर नारेबाजी की थी। उनकी कार पर भी हमले की कोशिश हुई थी। यह तब हुआ, जब गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान तिरुअनंतपुरम एयरपोर्ट जा रहे थे, जहां से उन्हें दिल्ली आना था। इस लेकर आरिफ मोहम्मद खान भड़क गए थे। उन्होंने सीधे सीएम विजयन पर हमला बोल कर कहा था कि उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए गुंडों को भेजा गया था। गवर्नर ने कहा, क्या यह संभव है कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हो और वहां प्रदर्शनकारियों से भरी हुई कारों को परमिशन दी जाए? क्या पुलिस किसी को सीएम की कार के पास आने देगी? यहां प्रदर्शनकारियों की कारें खड़ी थीं और पुलिस उन्हें बिठा देती है और फिर वे भाग लेते हैं।

देश के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने नेहरु पर आ जाती हैं भाजपा : राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे देश के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में बात करते रहते हैं। राहुल गांधी ने फिर जाति आधारित जनगणना की मांग कर मोदी सरकार पर इस पर चर्चा नहीं करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा, ये सब ध्यान भटकाने वाली रणनीति है। मूल मुद्दा जाति आधारित जनगणना है और लोगों का पैसा किसे मिल रहा है? वे इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, वे इससे दूर भागते हैं। जब उन्हें बताया गया कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में एक ओबीसी नेता की घोषणा की है, तब उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में हमारा मुख्यमंत्री भी ओबीसी से था, अब उन्होंने भी ओबीसी मुख्यमंत्री की घोषणा की है। लेकिन सवाल यह है कि सरकारी व्यवस्था में कितने ओबीसी हैं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओबीसी वर्ग से हैं, लेकिन केंद्र सरकार को 90 लोग चला रहे हैं और उनमें से केवल तीन लोग ओबीसी वर्ग से हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरा सवाल संस्थागत व्यवस्था में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों की भागीदारी के बारे में है। वे हमें इस मुद्दे से भटकाने के लिए जवाहरलाल नेहरू और अन्य के बारे में बात करते हैं।

एमपी की राजनीति का यूपी में असर, यादवों को लुभाने की कोशिश

-मोहन यादव को सीएम बनाकर ओबीसी की राजनीति में सपा, आरजेडी से आगे निकली भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मप्र में भाजपा ने मोहन यादव को सीएम बनाकर समूची यादव बिरादरी को अपनी ओर खींचा है। मप्र की राजनीति का असर अब यूपी में भी पहुंच गया है, जहां भाजपा ओबीसी को लेकर सपा और आरजेडी से भी आगे निकल गई है। भाजपा ने मोहन यादव को सूबे की कमान सौंपने का ऐलान कर दिया है। यह पूरा घटनाक्रम मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चला, लेकिन असर यूपी, बिहार, हरियाणा और राजस्थान तक दिख रहा है। मोहन यादव को सीएम बनाकर भाजपा ने एक ऐसा दांव चल दिया है, जिसकी काट करना सपा, आरजेडी और कांग्रेस जैसे दलों के लिए मुश्किल होगा। भाजपा पहले भी उमा भारती, कल्याण सिंह, शिवराज सिंह चौहान जैसे ओबीसी मुख्यमंत्री दिए हैं, लेकिन अब तक उसकी सियासी कोशिश गैर-यादव ओबीसी को एकजुट करने तक रही है। बता दें ?कि यूपी में करीब 10 फीसदी और बिहार में 14 पर्सेंट यादव बिरादरी को भी भाजपा लुभाने की कोशिश में है। इसी के तहत उसने मोहन यादव को मध्य प्रदेश का सीएम बनाया है। हरियाणा और राजस्थान में भी यादव समाज की अच्छी संख्या है।

इस तरह भोपाल में हुए फैसले का असर 4 राज्यों में 2024 में देखने को मिल सकता है। भाजपा इससे यह संदेश देने का प्रयास करेगी कि उसने ओबीसी के नेताओं को आगे बढ़ाया है और वह यादवों को भी महत्व देती रही है। ऐसा कहने के लिए उसके पास पर्याप्त आधार भी मौजूद हैं। दरअसल भाजपा ने मध्य प्रदेश में मोहन यादव को सीएम बनाया है तो केंद्र सरकार में उसने 4 मंत्री भी बनाए हैं। राजस्थान से आने वाले भूपेंद्र यादव, हरियाणा के राव इंद्रजीत सिंह, बिहार के नित्यानंद राय और झारखंड की अन्नपूर्णा देवी यादव ही हैं। इसके अलावा संसदीय बोर्ड में सुधा यादव और पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन हंसराज अहीर भी इसी समाज से आते हैं। भूपेंद्र यादव को तो केंद्रीय चुनाव समिति में भी जगह दी गई है। भाजपा ने दूसरी बार मप्र में यादव सीएम बनाया है। इससे पहले बाबूलाल गौर सीएम रह चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत नगर निगम का मुख्य लेखाकार ढाई लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया

कार्या देश की जमा राशि प्राप्त करने के लिए रिश्वत देना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के मुख्य लेखाकार और पटावाला को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है। एसीबी ने घोडदौड रोड इलाके में जाल बिछाया और मुख्य लेखाकार की ओर से चपरासी को ढाई लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। एसीबी ने मुख्य लेखाकार व पटावाला को गिरफ्तार कर पूछताछ की है। सूरत में एसीबी ने सफल जाल बिछाकर एक भ्रष्ट अधिकारी को पकड़ लिया है। सूरत में रहने वाले एक व्यक्ति को सूरत नगर निगम से बिजली के काम के लिए वर्क ऑर्डर मिला। उन्होंने ये पैसे अपनी सिक्योरिटी डिपॉजिट के बदले जमा किए थे। उसने वह पैसा वापस पाने के लिए आवेदन किया। जिसके बाद नगर पालिका के मुख्य लेखाकार तेजस प्रकाशचंद्र आरिवाला ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से फोन किया और पैसे वापस करने के बदले २.५ लाख की रिश्वत की मांग की और रिश्वत की राशि लालू भीखूभाई पटेल को देने के लिए कहा।

हालांकि इस पूरे मामले में एसीबी में शिकायत दर्ज कर जाल बिछाया गया। इसी दौरान चीफ अकाउंटेंट तेजस प्रकाशचंद्र आरीवाला से जानबूझकर बातचीत हुई और एसीबी ने पटावाला लालू भीखूभाई पटेल को घोडदौड रोड पंचोली सोसायटी के पास से ढाई लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इस मामले में एसीबी ने दोनों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है। सूरत नगर निगम में जब मुख्य लेखाकार पैसे लेते पकड़ा गया तो पूरे निगम में हंगामा मच गया।

मिलेनियम-१ कपड़ा मार्केट में आग,धुएं के बीच ऑक्सीजन मास्क लेकर आग पर काबू पाया

कपड़े के बड़े हिस्से में आग लगने से तेज धुआं निकला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कपड़ा मार्केट में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। रिंग रोड पर मिलेनियम-१ कपड़ा मार्केट में मंगलवार को आग लग गई। ऐसे में व्यापारियों और ग्राहकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि, आग के साथ अधिक धुआं निकलने पर फायर ब्रिगेड कर्मियों ने ऑक्सीजन सिलेंडर से आग बुझाने की कोशिश की।

रिंग रोड इलाके में स्थित मिलेनियम-१ में आग लगने की घटना सामने आई है। ग्राउंड फ्लोर पर आग लगने की जानकारी मिली तो दमकल कंट्रोल विभाग की सूचना से मान दरवाजा, डुंभाल और नवसारी बाजार फायर स्टेशन की गाड़ियों समेत काफिला मौके पर पहुंच गया। अग्निशमन विभाग द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया है।

कपड़े के बड़े हिस्से में आग लगने से तेज धुआं निकला। ऐसे में दम घुटने के असर से बचने के लिए फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मुंह पर ऑक्सीजन मास्क सिलेंडर लगाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। वहां जुटे लोग मुंह पर रुमाल बांधे नजर आये।

आयकर विभाग के छापे में मिले ३०० करोड़ रुपए के संदिग्ध दस्तावेज

सूरत में सुराणा एंड कंसल ग्रुप के १० से ज्यादा ठिकानों पर चौथे दिन भी सर्च जारी, ८ करोड़ रुपए कैश, २० बैंक लॉकर जब्त

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डिजिटल डेटा जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत आयकर विभाग ने पिछले शुक्रवार को एक बिल्डर और एक यार्न व्यापारी पर छापा मारा था। आज चौथे दिन भी सभी जगहों पर सर्च ऑपरेशन जारी है। बिल्डर सूराणा समूह और राकेश कंसल समेत कपड़ा उद्योग से जुड़े अन्य पेशेवर समूहों से जुड़े २२ स्थानों पर आयकर विभाग की जांच शाखा द्वारा की गई तलाशी अभियान चौथे दिन भी १० से अधिक स्थानों पर जारी है। अब तक की जांच में आईटी विभाग ने सभी जगहों से ८ करोड़ कैश और २० बैंक लॉकर जब्त किए हैं और पता चला है कि ३०० करोड़ रुपये के संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं।

सूरत आयकर विभाग की डीडीआई विंग ने पिछले शुक्रवार सुबह से ही सूरत स्थित बिल्डर समूह सुराणा और यार्न व्यापारी राकेश कंसल समूह के कुल २२ वाणिज्यिक-आवासीय स्थानों पर छापेमारी की थी और तलाशी अभियान शुरू किया था। चार दिनों से चल रही तलाश अभी भी जारी है। तीन दिनों की जांच के दौरान, आयकर विभाग ने बिल्डर, कपड़ा समूह के व्यावसायिक परिसरों से ८ करोड़ रुपये नकद और २० से अधिक बैंक लॉकर जब्त किए और बड़े पैमाने पर लेखांकन दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डिजिटल डेटा जब्त किए, जिसका विवरण सामने आया है।

आयकर विभाग ने संभावना जताई है कि दोनों प्रोफेशनल ग्रुप के १०-१० ठिकानों पर जांच पूरी करने के बाद एक-दो दिन में बाकी १० ठिकानों पर भी सर्च पूरी कर ली जाएगी। बताया जा रहा है कि बिल्डर और टेक्सटाइल ग्रुप के कारोबारी ठिकानों से अब तक ३०० करोड़ से जुड़े बेनामी हिसाब-किताब के लेनदेन के दस्तावेज मिले हैं। आयकर विभाग को इस बात के दस्तावेजी साक्ष्य मिले हैं कि ज्यादातर लेन-देन नकद में किया गया। इस संबंध में ब्याज सहित जुर्माना भी देना होगा।

राकेश कंसल के यार्न व्यापार, मुख्य रूप से रियल एस्टेट में निवेश और सौदों से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया गया है। पिछले साल के सौदों की भुगतान शर्तों, पार्टियों के साथ लेनदेन की जांच की जा रही है। इसके अलावा सुराणा बिल्डर समूह की निर्माण परियोजनाओं में जमीन की खरीद-फरोख्त से लेकर फ्लैट धारकों से मिलने वाले वित्तीय मुआवजे से संबंधित लेखांकन लेनदेन की भी जांच की गई है, जिसमें बड़े पैमाने पर बिल्डर की एंट्री भी हुई है। सूत्रों ने पाया कि बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की आशंका जताई गई है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की ट्रेन यात्रा, एक युवक के पिता से वीडियो कॉल पर बात की

ट्रेन में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ यात्री

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

'इंटरव्यू पास कर लिया, अब पेंडा खिलाओ', गृहमंत्री की हल्की-फुल्की बातों से यात्री हँसे

अहमदाबाद से राजकोट तक ट्रेन से यात्रा करने के बाद, राज्य के गृह मंत्री ने अब वडोदरा से सूरत तक ट्रेन से यात्रा की। साथ ही यात्रियों से बातचीत कर जानकारी हासिल की कि ट्रेन में कोई दिक्कत है या नहीं। यात्रियों ने गृह मंत्री हर्ष संघवी के साथ सेल्फी भी ली।

राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी को एक सार्वजनिक परिवहन ट्रेन में देखा गया। हर्ष संघवी ने वडनगर-वलसाड ट्रेन में वडोदरा से सूरत तक की यात्रा की। इस बीच उन्होंने यात्रियों से संवाद करने की भी कोशिश की। यात्रियों ने हर्ष संघवी के साथ सेल्फी भी ली। गृह मंत्री हर्ष संघवी ने ट्रेन में सफर के दौरान एक युवक के पिता से वीडियो कॉल पर बात की। जिसमें उन्होंने बात करते हुए कहा कि आपका बेटा इंटरव्यू में पास हो गया है, अब पेंडा खिलाओ, यह सुनकर यात्री हंसने लगे। ।इसके साथ ही उन्होंने यात्रियों से हल्की-फुल्की बातचीत भी की।

यह महत्वपूर्ण है कि लोगों का प्यार जीतने के लिए नेताओं द्वारा नवीन तकनीकों को आजमाया जाए। भले ही लोकसभा २०२४ चुनाव में अभी काफी समय बाकी है, लेकिन यह बात सामने आई है कि हर्ष संघवी ने कम समय में दूसरी बार ट्रेन से यात्रा की है।

डायमंड बुर्स खुलने और एयरपोर्ट टर्मिनल के विस्तार से बढ़ेगा कारोबार

एयर कनेक्टिविटी पर लगा ग्रहण दुर होने की उम्मीद,मिलेंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

टर्मिनल के विस्तार से यात्री सुविधा बढ़ेगी

सूरत हवाई अड्डे के टर्मिनल विस्तार से मौजूदा यात्री क्षमता १७.५ लाख से बढ़कर २६ लाख हो जाएगी। ७२ करोड़ रुपये की लागत से एप्रॉन का काम भी चल रहा है। सूरत एयरपोर्ट पर उड़ानों की संख्या बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एयरोब्रिज की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। एयरपोर्ट पर ५ नए एयरोब्रिज में से ४ एयरोब्रिज लगाए जा चुके हैं। एएआई (भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण) ने सूरत के सीमा शुल्क अधिसूचित हवाई अड्डे पर नई वाहन पार्किंग सुविधाएं बनाई हैं, जिनमें २६४ चार पहिया वाहन, १२० टैक्सियां, ५ बसें, ६० दोपहिया वाहन, ८८ कर्मचारी चार पहिया वाहन, ११५ कर्मचारी दोपहिया वाहन और १२ वीआईपी शामिल हैं। चार -व्हीलर पार्किंग सुविधाएं बनाई गई हैं, यानी एयरपोर्ट पार्किंग को ४८२ चार पहिया और १७५ दोपहिया वाहनों की सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है।

उन्नत टर्मिनल भवन में यह पांच सितारा सुविधा होगी

उन्नत टर्मिनल भवन में रिजर्व लाउंज, बैंक एटीएम, सेंट्रल डिस्प्ले स्क्रीन, वेटिंग एरिया, २० चेक-इन काउंटर, १३ इमिग्रेशन काउंटर और ५ बैगेज कैरोसेल की आधुनिक सुविधाएं होंगी। अपग्रेड के बाद सूरत हवाई अड्डे की हयात टर्मिनल बिल्डिंग इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट (त्रङ्क्ष॥) के लिए ग्रीन रेटिंग ४-स्टार के अनुरूप होगी। पीक आवर्स के दौरान यह १८०० यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। टर्मिनल भवन जल्द ही यात्रियों के लिए आसान, आरामदायक और परेशानी मुक्त यात्रा के लिए अनुकूल होगा।

दुनिया में किसी भी उद्योग के विकास के लिए बुनियादी ढांचा बुनियादी आवश्यकता है। सूरत में हीरा उद्योग के लिए बेहद जरूरी ट्रेडिंग हब बनकर तैयार है, लेकिन हीरा कारोबारी अब भी कनेक्टिविटी की समस्या सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। केंद्र सरकार जिस तरह का सहयोग दे रही है और टर्मिनल का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए पूरी संभावना है कि अब कनेक्टिविटी की समस्या से राहत मिल जायेगी। डायमंड बुर्स खुलने और सूरत एयरपोर्ट टर्मिनल के विस्तार से गुजरात में कारोबार बढ़ेगा और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलेंगी।

सूरत का हीरा उद्योग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ है। सूरत से मुख्य रूप से दुबई, चीन, अमेरिका, रूस सहित यूरोपीय देशों के साथ व्यापार होता है। मुंबई से दुनिया के हर देश से सीधी कनेक्टिविटी है, लेकिन सूरत से ऐसी व्यवस्था न होने के कारण नुकसान की बारी गुजरात की है। खासकर हीरा उद्योग के लिए यह चुनौती सबसे बड़ी है। उड़ान व्यवस्था ठीक से नहीं होने पर भले ही विश्व स्तरीय डायमंड बुर्स तैयार की गई हैं, लेकिन इस व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी सबसे जरूरी है।

डायमंड बुर्स के निदेशक दिनेश नावडिया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बहुत जरूरत है। अच्छी बात यह है कि इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी चर्चा की गई है और विमानन मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की व्यवस्था करने का आश्वासन भी दिया है। उड्डयन मंत्री की ओर से बेहद सकारात्मक जवाब दिया गया है। फिलहाल विदेश से आने वाले कारोबारी मुंबई एयरपोर्ट पहुंचते हैं, वहां से हीरा कारोबारी उन्हें सूरत लाने के लिए मुंबई से वंदे भारत सहित अलग-अलग ट्रेनों की व्यवस्था करते हैं, कुछ कारोबारी अपने ग्राहकों को मुंबई एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से सूरत लाने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। चूँकि हीरा उद्योग विदेशों से जुड़ा हुआ है, हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में सूरत से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान व्यवस्था शीघ्र स्थापित हो जाएगी।

जनवरी-२०१९ में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने टर्मिनल भवन विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक और विमान पार्किंग सहित सुविधाओं के साथ सूरत हवाई अड्डे के पुनर्विकास के लिए ३५३ करोड़ रुपये की परियोजना को हरी झंडी दिखाई। इनमें नये टर्मिनल भवन के दोनों तरफ मौजूदा टर्मिनल भवन के विस्तार के लिए १३८.४८ करोड़ रुपये की लागत से नये टर्मिनल भवन का निर्माण किया गया है। इस बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है। १७ दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सूरत एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन, तीन एयरो ब्रिज, समानांतर टैक्सी-वे के एक हिस्से और एक विमान पार्किंग क्षेत्र का उद्घाटन कर सकते हैं। सूरत हवाई अड्डे के मौजूदा टर्मिनल भवन को ८४७४ वर्ग मीटर से बढ़ाकर २५५२० वर्ग मीटर तक किया जाएगा। १७ दिसंबर को सूरत डायमंड बुर्स एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग का अनावरण किया जायेगा।